5 निजी स्कूल संचालकों व नोडल अधिकारियों पर मामला दर्ज

फर्जीवाड़ा : आरटीई में फर्जी प्रवेश दिखाकर 26 लाख का घपला

जबलपुर। जबलपुर नगर के 5 निजी स्कूलों के संचालकों और उक्त संस्थाओं के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने आरटीई के तहत बीपीएल और कमजोर वर्ग के छात्रों के फर्जी प्रवेश दर्शाकर की गई फीस की राशि में अनियमितता और धोखाधड़ी के मामलें में अपराध पंजीबद्ध किया है। इस संबंध में ईओडब्ल्यू के डीजीपी उपेंद्र जैन ने बताया कि जबलपुर निवासी विजयकांति पटैल द्वारा ईओडब्ल्यू में की गई शिकायत की जांच में पाया गया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत निचले वर्ग, बीपीएल के छात्रों को निःशुल्क प्रवेश दिए जाने का प्रावधान हैं। इन प्रवेशों की जांच में पाया गया कि शहर के पांच स्कूलों ने फर्जी प्रवेश दर्शाकर लगभग साढ़े 26 लाख रुपए फीस प्रतिपूर्ति राशि अवैध रुप से हड़प ली। जांच में यह भी पता चला कि, जिला शिक्षा केंद्र के नोडल अधिकारियों ने प्रवेशित छात्रों का वास्तविक सत्यापन नहीं किया और इन स्कूलों के साथ षड़यंत्र कर अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने बताया कि पूरी जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने उपरोक्त आरोप प्रमाणित पाये जाने पर प्राइवेट स्कूलों के मालिक एवं संचालक स्मिता चिल्ड्रन एकेडमी के संचालक मनीष असाटी, आदर्श ज्ञान सागर की संचालक नसरीन बेगम, गुरू पब्लिक स्कूल के संचालक मो. तौसीफ, उस्मानिया मिडिल स्कूल के संचालक मो. शमीम, सेन्ट अब्राहम के शाला संचालक मोहम्मद शफीक तथा जिला शिक्षा केंद्र के तत्कालीन नोडल अधिकारी, श्रीमति चंदा कोष्टा, श्रीमति गुलनिगार खानम, श्रीमति अख्तर बेगम अंसारी, राजेन्द्र बुधेलिया, डी.के.मेहरा एवं अन्य के विरूद्ध धारा 409,420,120बी भा.द.वि. एवं धारा 7(सी.) भ्र.नि.अ. 1988 संशोधित 2018 अंतर्गत अपराध क्रमांक /2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडबलू) ने जबलपुर के 6 प्राइवेट स्कूलों के मालिकों, नोडल अधिकारियों के विरूद्ध गरीब एवं कमजोर वर्ग के छात्रों की फीस की राशि 26.50 लाख रूपये की धोखाधडी कर गबन करने पर अपराध पंजीबद्ध किया है. ईओडबलू की कार्रवाई से निजी स्कूल प्रबंधनों में हड़कम्प की स्थिति बनी हुई है। ईओडबलू के मुताबिक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर में शिकायतकर्ता विजयकांति पटेल द्वारा शिकायत की गई कि गरीबी रेखा के नीचे एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के लिये शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत प्राइवेट स्कूलों में 25 प्रतिशत बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिये जाने का प्रावधान किया गया है. प्राइवेट स्कूलों द्वारा एक छात्र को 2 से 3 बार एडमिशन दर्शाकर जिला शिक्षा केंद्र जबलपुर से इस योजना में शासन से प्रदान की जाने वाली छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति राशि का अनियमित भुगतान किया गया।

शिकायत की जांच में यह पाया गया कि जबलपुर जिले में 466 प्राइवेट स्कूलों को गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार के बच्चों की वर्ष 2011 से 2016 तक अवधि में कुल 3,27,83,521 रूपये की फीस प्रतिपूर्ति राशि भुगतान की गई थी. इनमें से 06 प्राइवेट स्कूलों के द्वारा कुल 628 छात्रों का फर्जी एडमिशन अपने स्कूलों में दर्शाकर 26.50 लाख रूपये की फीस प्रतिपूर्ति राशि अवैध रूप से हड़प ली गई. इन 06 स्कूलों के संचालकों ने शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों के साथ षडयंत्र कर वंचित गरीब व कमजोर वर्ग के बच्चों की फीस की राशि का गबन करके शासन को 26.50 लाख रूपये की आर्थिक क्षति कारित की. वर्ष 2011 से वर्ष 2016 में पदस्थ शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारियों द्वारा इन प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे कमजोर वर्ग के बच्चों के एडमीशनों का वास्तविक सत्यापन नहीं किया और स्कूल संचालकों से षडयंत्र पूर्वक सहयोग कर अपने पद का दुरूपयोग किया गया।

इन स्कूल मालिकों, नोडल अधिकारियों पर एफआईआर

उपरोक्त आरोप प्रमाणित पाये जाने पर प्राइवेट स्कूलों के मालिक एवं संचालक (1) स्मिता चिल्ड्रन एकेडमी के संचालक श्री मनीष असाटी (2) आदर्श ज्ञान सागर की संचालक नसरीन बेगम (3) गुरू पब्लिक स्कूल के संचालक मो. तौसीफ (4) उस्मानिया मिडिल स्कूल के संचालक मो. शमीम (5) सेन्ट अब्राहम के शाला संचालक मोहम्मद शफीक तथा जिला शिक्षा केंद्र के तत्कालीन नोडल अधिकारी (1) श्रीमति चंदा कोष्टा, (2) श्रीमति गुलनिगार खानम, (3) श्रीमति अख्तर बेगम अंसारी, (4) श्री राजेन्द्र बुधेलिया, (5) श्री डी.के.मेहरा एवं अन्य के विरूद्ध धारा 409,420,120बी भा.द.वि. एवं धारा 7(सी.) भ्र.नि.अ. 1988 संशोधित 2018 अंतर्गत अपराध क्रमांक /2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

निर्माण तिथि अंकित नहीं पाये जाने पर
14 बैग में रखी 340 किलोग्राम चाय जप्त

मनोहर चाय आउलेट्स का खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जबलपुर। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने तथा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आज शुक्रवार को रामपुर, मेडिकल, चारखम्भा एवं धनवंतरीनगर स्थित मनोहर चाय आउटलेट्स का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान इन आउटलेट्स में रखे चाय के पैकेट्स में निर्माण तिथि तथा बैच संख्या अंकित नहीं पाई गई। मेडिकल एवं धनवंतरीनगर स्थित मनोहर चाय आउटलेट से चाय के 14 बैग (340 किलोग्राम) जप्त किये गये हैं। जप्त किये गये इन चाय के बैग में लगे लेबल में आवश्यक घोषणाओं का अभाव था। मनोहर चाय आउलेट्स से नमूने एकत्र कर परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल प्रेषित किये गये हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि अभिहित अधिकारी डॉ संजय मिश्रा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने के कारण संबंधितों के विरूद्ध प्रकरण माननीय सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

गांजा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

जबलपुर। क्राइम ब्रांच और गढ़ा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा के कारोबार में लिप्त पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 14 किलो 267 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7 लाख रुपये बताई जा रही है। थाना प्रभारी गढ़ा प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि 16 जनवरी को क्राइम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि बड्डा दादा ग्राउंड में दो युवक और एक युवती संदिग्ध हालत में पिट्ठू बैग लेकर खड़े हैं और किसी ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल क्राइम ब्रांच और गढ़ा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस ने मौके से तीनों संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान रविकांत जाटव (20 वर्ष) निवासी ग्राम तिगुआ बेहरा, थाना गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (वर्तमान पता फकीरचंद का अखाड़ा, सिंधी कैंप, हनुमानताल), सिद्धांत बर्मन (21 वर्ष) निवासी बस्ती नंबर-1, थाना गोहलपुर तथा उसकी पत्नी वंशिका बर्मन (20 वर्ष) निवासी बस्ती नंबर-1, गोहलपुर के रूप में हुई। तलाशी लेने पर तीनों के पिट्ठू बैग में अलग-अलग प्लास्टिक की बोरियों में अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया। तौल करने पर कुल 14 किलो 267 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा जप्त कर तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गांजा कहां से लाया गया और किसे सप्लाई किया जाना था, इस संबंध में पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी रविकांत जाटव पहले भी थाना बरगी क्षेत्र में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

एआई जनरेटिड वीडियो वायरल, एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लिया संज्ञान

स्टेशन के ट्रैक पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग....!

जबलपुर। शहर में इस समय सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने सनसनी मचा दी। सामने आये इस वीडियो में हवाई जहाज जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर लैंड करते दिखाया गया। वीडियो में एक युवक बता रहा है कि पायलट को रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। यहां यह वीडियो वायरल होने के बाद जबलपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी ने संज्ञान लेकर घटना का खंडन करते हुए मामला पुलिस को सौंप दिया है। खमरिया पुलिस ने वीडियो पोस्ट करने वाले युवक की तलाश शुरू कर दी है। यह वीडियो एआई से जनरेट किया जाना बताया जा रहा है।

एआई जनरेटेड वीडियो में जबलपुर रेलवे स्टेशन दिखाया गया है। जहां ट्रैक पर इंजन खड़ा हुआ है और उसके बगल से एक बड़ा हवाई जहाज भी खड़ा है। दोनों में लगभग टक्कर दर्शित हो रही है। वीडियो में एक युवक बता रहा है कि जबलपुर रेलवे स्टेशन में आज तक कभी ऐसा नहीं देखा गया कि जहाज सीधे पटरियों पर लैंड हुआ होगा। सब लोग हैरान हैं, 14 सेकेंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें युवक बता रहा है कि रेलवे स्टेशन में अदभुत घटना हो गई है। एक यात्री विमान लैंडिंग करते हुए रेलवे ट्रैक पर आकर खड़ा हो गया है। पुलिस मौके पर है और लोगों को दूर रखा जा रहा है। पायलट का कहना था कि तकनीकी खराबी के कारण हवाई अड्डे तक नहीं पहुंच पाया और रेलवे स्टेशन पर लैंड करना पड़ा।

यहां जबलपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर आरआर पांडे ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को मामला सौंप दिया है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि लाइक और व्यू पाने के लिए ऐसा कुछ न करें, जो लोगों को परेशानी में डाल दे। उन्होंने कहा कि ऐसे वीडियो न बनाएं और उन्हें इंस्टाग्राम, वेबसाइट या अन्य प्लेटफॉर्म पर न डालें। अशिक्षित लोगों के लिए यह वीडियो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण होते हैं।

632 करोड़ 92 लाख मूल राशि जमा, 276 करोड़ सरचार्ज माफ

समाधान योजना : 11 लाख 88 हजार बकायादार उपभोक्ताओं ने कराया पंजीयन

जबलपुर। समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण में अब तक 11 लाख 88 हजार 240 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। अब तक 632 करोड़ 92 लाख रूपये मूल राशि जमा हुई है। साथ ही 276 करोड़ रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए समाधान योजना के प्रथम चरण की अवधि में 31 जनवरी 2026 तक विस्तार किया गया है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 3 लाख 98 हजार 470 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। मूल राशि 122 करोड़ 79 लाख रूपये जमा हुई है तथा 43 करोड़ रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 3 लाख 84 हजार 130 बकायादार उपभोक्ताकओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 403 करोड़ 69 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 215 करोड़ 95 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत 4 लाख 5 हजार 640 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। कुल मूल राशि 106 करोड़ 44 लाख रूपये जमा हुई है। साथ ही 16 करोड़ 77 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है।

चाकू, बंदूक के बाद अब डायल 100 वाहन की इंस्टाग्राम पर सेल

आश्चर्य : प्रतिबंधित पुलिस यार्ड के अंदर कैसे बना वीडियो

जबलपुर। चाइना चाकू और बंदूकों की तरह ही अब पुलिस की गाड़ियां भी सोशल मीडिया पर चमक रही हैं। जिस तरह सिस्टम चायना चाकू और बंदूकों की वैधता या बिक्री को रोकने में नाकाम रहा है, उसी तरह अब सरकारी वाहनों की अवैध बिक्री ने लोगों को चौंका दिया है।

जबलपुर में पुलिस विभाग की पुरानी डायल 100 गाड़ियां इंस्टाग्राम पर एक निजी आईडी से बेची जा रही हैं। वायरल वीडियो में कई गाड़ियां लाइन में खड़ी दिखाई दे रही हैं और खरीदने के लिए मोबाइल नंबर भी दिया गया है। यह खुलासा पुलिस महकमे में हड़कंप का कारण बना।

यह घटना सिस्टम की कमजोरी को उजागर करती है। सवाल यह है कि प्रतिबंधित पुलिस यार्ड के अंदर वीडियो कैसे बनाया गया और सरकारी वाहनों की जानकारी निजी हाथों में कैसे पहुंच गई। अधिकारियों ने साफ किया कि विभाग ने अभी तक कोई आधिकारिक नीलामी शुरू नहीं की है। सोशल मीडिया पर चल रहा यह विज्ञापन पूरी तरह अवैध है।

साइबर सेल कर रही है जांच

जबलपुर पुलिस की साइबर सेल सक्रिय हो गई है। इंस्टाग्राम आईडी और वीडियो में दिए मोबाइल नंबर के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि मामले की सख्त जांच की जा रही है और यह भी देखा जा रहा है कि कहीं विभाग का कोई कर्मचारी इसमें शामिल तो नहीं। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसे किसी भी विज्ञापन के झांसे में न आएं और किसी को भी पैसे न दें। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डरों ने सरकारी जमीन बेच डाली

शिकंजा: ईओडब्लयू ने दर्ज की एफआईआर

जबलपुर। सगड़ा में अवैध निर्माण और सरकारी भूमि पर कब्जे के आरोप में बालाजी इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म के 7 भागीदारों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने मामला दर्ज किया है। आरोप है कि कॉलोनाइजर ने स्वास्तिक कॉलोनी सगड़ा के बीच स्थित नाले और ग्रीन बेल्ट पर गार्डन, पार्क, जिम, स्विमिंग पूल और मकान का अवैध निर्माण किया। इस मामले में लगभग 2.64 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन को नुकसान पहुंचाने का दावा किया गया है।

ईओडब्ल्यू में अहमद वाहिद ने शिकायत दी थी कि बालाजी इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म ने कॉलोनी के बीच बहने वाले शासकीय नाले और ग्रीन बेल्ट पर पार्क, जिम, स्विमिंग पूल जैसी सुविधाओं का निर्माण कर अवैध लाभ कमाया। जांच में पाया गया कि कंपनी ने सगड़ा में कुल 2.985 हेक्टेयर भूमि पर स्वास्तिक विलास नामक आवासीय कॉलोनी का विकास किया।

ईओडब्लयू के डीजीपी उपेन्द्र जैन ने बताया कि शिकायत प्रथम दृष्टया यह बात भी सामने आई है कि कॉलोनाइजर ने नगर निगम और टीएनसीपी से जारी अनुमति की शर्तों का उल्लंघन किया। कॉलोनी के बीच सरकारी भूमि और ग्रीन बेल्ट के ऊपर गार्डन, पार्क, रास्ता, जिम और स्विमिंग पूल जैसी संरचनाएं बनाई गईं। कॉलोनी के ब्रोशर में भी इन सुविधाओं को दिखाकर ग्राहकों को लुभाया गया।

ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी

बालाजी इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म ने कॉलोनी में कुल 210 प्लॉट बेचकर लाभ कमाया। विशेष रूप से नाले और ग्रीन बेल्ट की जमीन पर मकान नंबर जी-06 बनाया और इसे 63 लाख रुपये में बेचा। कब्जा किए गए नाले और ग्रीन बेल्ट का क्षेत्रफल 0.12 हेक्टेयर है, जिसकी वर्तमान कीमत 2.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस तरह राज्य को 2.64 करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति हुई।

जांच में हो सकते हैं चौंकाने वाले खुलासे

ईओडब्ल्यू ने बालाजी इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म के कॉलोनाइजर रजनीत जैन के साथ उनके भागीदार नितिन जैन, अपूर्व सिंघई, पंकज गोयल और भोपाल निवासी श्याम राठौर, श्रद्धा ममतानी, शिल्पा राठौर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 406 (विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) और 120 बी (साजिश) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। ईओडब्ल्यू अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी चल रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जीवन के मैच में गुगली की अहमियत, अनुभवों को सीख में बदला और किताब का रूप दिया

जितना लिखना ज़रूरी है, उससे कहीं अधिक ज़रूरी पढ़ना है : ज्ञानेश साहू

अनुरोध पटेरिया

जबलपुर। बचपन में क्रिकेट खेलते समय फंसे हुए मैच को एक सधी हुई गुगली से सुलझाने की जो तरकीब सीखी, वही आगे चलकर जीवन की जटिलताओं को समझने और उनसे निपटने का सूत्र बन गई। गुगली और अफलातून जैसी चर्चित कृतियों के लेखक ज्ञानेश साहू के लेखन की यात्रा कुछ इसी तरह शुरू होती है। स्टील सिटी भिलाई में जन्मे ज्ञानेश साहू को लेखन का शौक बचपन से ही था।

ज्ञानेश साहू, लेखक

उन्हें यह संस्कार अपने माता–पिता से विरासत में मिला जहाँ उनकी माता तारा साहू कविताएँ लिखती थीं, वहीं पिता दिलीप साहू यात्रा संस्मरणों के माध्यम से अनुभवों को शब्द देते थे। इसी वातावरण का असर था कि ज्ञानेश ने चौथी कक्षा में ही अपना पहला यात्रा संस्मरण लिख दिया।

"Start a Startup from Start"

ज्ञानेश हाल ही में जबलपुर रीड की चौपाल में सहभागिता के लिए पहुँचे थे। शब्दों को किताब का रूप देने के लिए उन्हें वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। इंजीनियरिंग के दौरान उन्होंने एक स्टार्टअप शुरू किया, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। निराश होने के बजाय उन्होंने अपने अनुभवों को सीख में बदला और उन्हें किताब का रूप दिया—"**Start a Startup from Start**", जो उनकी पहली अंग्रेज़ी पुस्तक थी। इसके बाद ज्ञानेश ने हिंदी लेखन की ओर रुख किया, क्योंकि वे अपने बचपन, यादों और अपने पहले प्यार—क्रिकेट—को उसी संवेदना के साथ लिखना चाहते थे, जैसा उन्होंने उसे जिया था। पेशे से वे एक मल्टीनेशनल कंपनी में बिज़नेस एनालिस्ट हैं। उन्होंने पुणे स्थित नेशनल इंश्योरेंस अकैडमी से एमबीए किया है, जबकि प्रारंभिक शिक्षा भिलाई में ही हुई।

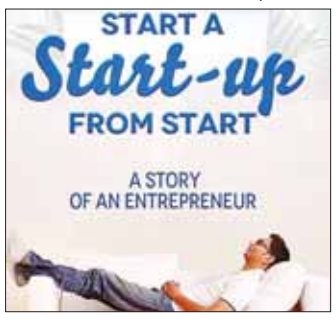

"गुगली"

उनकी पहली हिंदी किताब "गुगली" में न केवल पहले टी-20 वर्ल्ड कप की यादें जीवंत होती हैं, बल्कि यह संदेश भी मिलता है कि अगर दोस्ती मजबूत हो, तो जीवन की किसी भी गुगली का सामना किया जा सकता है। यह पुस्तक राजपाल पब्लिकेशन से प्रकाशित हुई—वही प्रकाशन समूह जिसने हरिवंश राय बच्चन और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे महान लेखकों की कृतियाँ प्रकाशित की हैं। क्रिकेट, दोस्ती और प्रेम को एक सूत्र में पिरोने के कारण गुगली युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हुई।

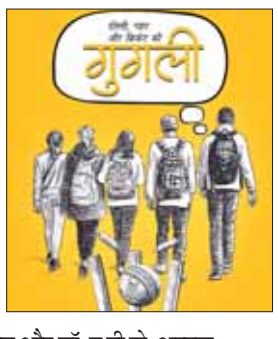

"अफलातून"

इसके बाद ज्ञानेश का उपन्यास "अफलातून" आया, जो अपनी संरचना के कारण विशिष्ट है। यह सरित-सागर विधा में लिखा गया उपन्यास है, जहाँ प्रत्येक कहानी अपने आप में पूर्ण है, लेकिन सभी कहानियाँ मिलकर एक व्यापक कथानक रचती हैं। उपन्यास का नायक अनुराग जीवन के विभिन्न पड़ावों पर अलग-अलग स्त्रियों से मिलता है, जो उसे कभी सिखाती हैं, कभी सबक देती हैं। यही रोचकता अफलातून को जागरण बेस्टसेलर सूची तक ले गई।

फिल्म परियोजना के लिए लेखन कर रहे

ज्ञानेश ने ऑडियो प्लेटफॉर्म्स के लिए भी लेखन किया है, जहाँ उन्होंने फिक्शन के साथ-साथ आध्यात्म और फाइनेंस से जुड़े शो भी तैयार किए। वर्तमान में वे एक फिल्म परियोजना के लिए लेखन कर रहे हैं। ज्ञानेश साहू के लिए लेखन केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और मनुष्यों को समझने का माध्यम है। वे मानते हैं कि जितना लिखना जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी पढ़ना है। यही कारण है कि वे निरंतर अध्ययनरत रहते हैं। उनके प्रिय लेखकों में सत्यजित राय, मनोहर श्याम जोशी, निर्मल वर्मा और रस्किन बॉन्ड शामिल हैं।

गौर नदी के कायाकल्प की तैयारी, ऐतिहासिक घाटों का होगा जीर्णोद्धार और नया चेक डेम बनेगा

जबलपुर। नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने संस्कारधानी की गौर नदी के संरक्षण और कायाकल्प के लिए तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, निगमाध्यक्ष रिंकू विज और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने गौर नदी के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया।निरीक्षण में गौरईया घाट की ऐतिहासिक महत्ता पर चर्चा हुई, जहां तीन युगों के पुल मौजूद हैं—गोंडवाना काल का प्राचीन पुल, ब्रिटिश काल का पुल और आधुनिक काल का 1980 के दशक में निर्मित पुल। अधिकारियों ने नदी में जल संरक्षण के उद्देश्य से एक नया चेक डेम बनाने की योजना बनाई है, जिससे जल स्तर बढ़ेगा और गर्मी में जल संकट से राहत मिलेगी।महापौर ने स्थानीय ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि नदी की सफाई, घाटों का सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण सहित व्यापक कायाकल्प कार्य किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र को पर्यटन और पर्यावरण के अनुकूल विकसित किया जा सके। विधायक अशोक रोहाणी ने गौर नदी संरक्षण को केंट विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों में प्राथमिकता देने की बात कही।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई: चण्डाल भाटा में भारी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त, 1 लाख रूपये का जुर्माना

जबलपुर। शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने और प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर नियंत्रण के लिए नगर निगम ने चण्डाल भाटा में मऊरानीपुर स्थित एक लॉजिस्टिक कंपनी के गोदाम पर छापा मारा। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम ने भारी मात्रा में अवैध पॉलीथिन जब्त कर संचालक पर 1 लाख रूपये का जुर्माना लगाया। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि शहर में प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलीथिन का भंडारण या विक्रय पूरी तरह वर्जित है। निगमायुक्त के अनुसार, आगे भी इस तरह के औचक निरीक्षण और दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेंगी ताकि पर्यावरण संरक्षण के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो सके। कार्रवाई में उपायुक्त संभव अयाची, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आर.के. जैन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

पीएचई विभाग के प्रमुख सचिव नरहरि ने अधिकारियों को चेतावनी भी दी

280 एजेंसियां ब्लैकलिस्ट करने के बाद फिर एक्शन, जल जीवन मिशन में लापरवाही पर 16 इंजीनियरों को दिया जाएगा शोकॉज नोटिस

हरिभूमि न्यूज जबलपुर

जल जीवन मिशन में घोटालों की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक में दो माह पहले 280 एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट किए जाने और 141 सब इंजीनियरों व एक्जीक्यूटिव इंजीनियरों को नोटिस थमाने के बाद एक बार फिर 3 अधीक्षण यंत्रियों एवं 13 कार्यपालन यंत्रियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख सचिव पीएचई विभाग ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पी नरहरि ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। नरहरि ने कार्यों में शिथिलता और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के प्रति सख्ती का फैसला किया है। वीडियो कांफ्रेंसिंग मीटिंग में उन्होंने 3 अधीक्षण यंत्रियों एवं 13 कार्यपालन यंत्रियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि मिशन के कामों की धीमी प्रगति के लिए संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं सहायक यंत्री स्तर तक के अधिकारी से जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही योजनाओं की अपडेट स्थिति की जानकारी ली।

30 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई

नल कनेक्शन देने में भी सामने आई लापरवाही

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जाने की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की गई। प्रगति रिपोर्ट के आधार पर यह पाया गया कि कई जिलों में घरों तक नल कनेक्शन प्रदान किए जाने की गति तय लक्ष्यों और तय समय-सीमा के अनुरूप नहीं है, जिससे मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति नहीं हो रही है। प्रमुख सचिव ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि योजनाओं के अंतर्गत शेष बचे कार्यों को निर्धारित समयावधि में अनिवार्य रूप से पूरा करें।

चाइनीज मांझे से घायल हुआ सारस पक्षी

मझौली। चाइनीज मांझा (पेटेड स्टॉक) की चपेट में आने से एक सारस पक्षी घायल हो गया। इरफान मोहम्मद ने बताया कि उनके घर के पास खेत में एक सारस पक्षी घायल अवस्था में पड़ा था, जो उड़ने में असमर्थ था। इसकी सूचना इमरान मोहम्मद एवं मुंडा भाई जान द्वारा वन विभाग को दी गई। सूचना पर वन विभाग के अमले द्वारा घायल सारस पक्षी को पशु चिकित्सा केंद्र मझौली लाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कर पट्टी की गई। चिकित्सकों ने बताया कि पक्षी के पंखों पर चाइनीज मांझे से कटने के निशान पाए गए हैं। उपचार उपरांत सारस पक्षी को वन विभाग द्वारा अपने कब्जे में लेकर वन चौकी मझौली लाया गया।

पीने के पानी के लिए कैबिनेट बैठक में जबलपुर का उल्लेख तक नहीं

जबलपुर।

भोपाल में 13 जनवरी को आयोजित कैबिनेट बैठक में पीने के पानी की व्यवस्था के लिए जबलपुर का उल्लेख तक नहीं किया गया है, जबकि उज्जैन के लिए अतिरिक्त 1133 करोड़ मंजूर कर वहां की व्यवस्था युद्ध स्तर पर कार्य कर ठीक करने के आदेश जारी किए गए हैं। डॉ. पीजी नाजपांडे ने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि 14 जनवरी को हाईकोर्ट में प्रस्तुत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ है कि जबलपुर शहर के नाले-नालियों का पानी 'अत्यंत दूषित' है। जबलपुर में पीने के पानी सप्लाई की 80 प्रतिशत पाइप लाइनें ऐसे नाली-नालों से गुजरती हैं। डिस्ट्रीब्यूशन लाइन की उम्र औसतन 20 वर्ष होती है, लेकिन पिछले 50 वर्षों से यह पाइप लाइनें बदली नहीं गई हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट चिंताजनक

अमृत जल प्रदाय योजना 2.0 में 476.22 कि.मी. जल वितरण पाइप लाइन बिछाने को तय किया गया, लेकिन राइजिंग पाइप लाइन बिछाने को प्राथमिकता दी गई है। बीते 10 साल में करीब 150 करोड़ का खर्च पाइप लाइन विस्तारीकरण पर किया गया, लेकिन नाली-नालों से गुजरती पाइप लाइनें न तो हटाई गईं न ही बदली गईं। स्पष्ट है कि जबलपुर में पीने के पानी की व्यवस्था एक गंभीर समस्या है।

राज्य सरकार, महापौर को भेजा पत्र

जन संगठन की ओर से 16 जनवरी को जबलपुर के पीने के पानी की व्यवस्था के संबंध में महापौर तथा नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पत्र भेजा गया। बैठक में डॉ. पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टीके रायघटक, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनौजिया, सुभाष चन्द्रा, डीआर लखेरा, पीएस राजपूत, गीता पांडे सहित अन्य उपस्थित रहे।

नर्मदा को संरक्षित करने जनसंपर्क अभियान चौथे दिन भी जारी रहा

जबलपुर। परमाणु परियोजना से नर्मदा को संरक्षित करने मंडला के आदिवासी महिला- पुरुषों ने 16 जनवरी को अवधपुरी, नर्मदा नगर, पोलीपाथर में जनसंपर्क अभियान चौथे दिन जारी रखा। उन्होंने पर्चे बांटे और स्थानीय निवासियों से संवाद किया। इसके बाद लाल कुआं के पास नुक्कड़ सभा करके अपनी बात रखी। जबलपुर में इस अभियान को सक्रिय सहयोग करने वाले विवेक अवस्थी और उनकी टीम जनसंपर्क अभियान में नर्मदा मैया का जयकारा लगाते रहे।राजेश सोनकर पूर्व पार्षद ने अपना समर्थन देते हुए कहा कि हम आपके साथ हैं। चुटका जैसी घातक परियोजना का विरोध जबलपुर के सभी नागरिकों को करना चाहिए। आज सौर ऊर्जा से पर्याप्त और सस्ती बिजली का विकल्प उपलब्ध है, तो इस घातक परियोजना की आवश्यकता नहीं है। ज्ञात हो कि जिस समय चुटका विद्युत परियोजना को योजना आयोग से मंजूरी मिली थी तब सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करना महंगा होता था, आज स्थिति बदल गई है। रीवा में 750 मेगावाट का सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन शुरू हो गया है और प्रदेश में सौर ऊर्जा की 5 हजार मेगावाट की छह परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। प्रमोद पटेल ब्लाक अध्यक्ष, शिव कुमार चौबे, सुबोध रिछारिया, कमलेश यादव, देवेंद्र झारिया, बबलू झारिया, सरमन रजक, कमला पटेल ने भी इस अभियान का समर्थन किया। 17 जनवरी को भी अभियान का जनसंपर्क जारी रहेगा।

26वीं रॉयन मिनीथॉन में 61 स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

जबलपुर। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रायन इंटरनेशनल स्कूल, शांति नगर के तत्वावधान में 26वीं रायन मिनीथॉन का आयोजन सदर स्थित शिवाजी ग्राउंड में किया गया। इस मिनीथॉन में सेंट जेविएर्स स्कूल शांति नगर, गुप्तेश्वर एवं रायन इंटरनेशनल स्कूल शांति नगर सहित शहर की लगभग 61 शालाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में अंडर-12, अंडर-14, अंडर-16 एवं अंडर-18 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्गों में दौड़ आयोजित की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेशनल हॉकी खिलाड़ी एवं अंपायर सैयद अशरफ, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी संतोष राजक, खेल अधिकारी दीपेंद्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा सहित अनेक खेल जगत व सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शासकीय हाई स्कूल रामपुर, द्वितीय स्थान सेंट जेविएर्स हाई स्कूल शांति नगर एवं तृतीय स्थान एपीन हाई स्कूल सदर, जबलपुर ने प्राप्त किया। मिनीथॉन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल-कूद के प्रति जागरूकता, स्फूर्ति एवं सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना रहा। संपूर्ण कार्यक्रम शाला चेयरमैन डॉ. ए.एफ. पिंटो एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ग्रेस पिंटो के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कांग्रेसियों ने राज्यसभा सांसद तन्खा का किया भव्य स्वागत

बरेला। समाज की सेवा में समर्पित राज्यसभा सांसद श्री विवेककृष्ण तन्खा का शॉल श्रीफल देकर पुष्प माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। गरीब दिव्यांग की बात सुनी। किसानों की समस्या, अस्पताल की समस्या से अवगत कराया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सम्मति सैनी, अरविन्द तिवारी, राजू पाठक, योगेश पटेल, जहीर अहमद, मुन्ना झारिया, कपिल पटेल, अखिलेश नवेरिया , बब्बू यादव, मुकेश सोनी, दुर्गेश पटेल,शेख सलीम, नीलेश बरकडे ,पंचम यादव, दिनेश सोनी, दीपक विश्वकर्मा,अनुराग पटेल, प्रदीप विश्वकर्मा, प्रहलाद झारिया, माधव शर्मा,तोले भाईजान, पंजी जैन, मिथलेश पाठक,बंटू,सत्तू बर्मन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

पीएमश्री सालीवाडा में आयोजित किया गया जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा का द्वितीय चरण

बरेला।

जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा द्वितीय चरण वर्ष 2025 - 26 दिनांक 16/01/26 को पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाडा गौर विकासखंड जबलपुर ग्रामीण में शासन के निर्देशानुसार कक्षा 2 से 3 हिंदी,अंग्रेजी, गणित, और कक्षा 6 से 8 हिंदी,अंग्रेजी, संस्कृत,तीन चरणों में परीक्षा संपन्न कराई गई। दिनांक 17/01/2026 को कक्षा 4 से 5 हिंदी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण, चार चरणों में और कक्षा 6 से 8 विज्ञान,गणित सामाजिक विज्ञान, तीन चरणों में परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। जन शिक्षा केंद्र प्रभारी आभा वानखेडे द्वारा सभी बच्चों को शासन से प्राप्त प्रशस्ति प्रमाण पत्र दिये गए। इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी अंजना सराफ, सहायक परीक्षा प्रभारी मीरा पांडे,पीएम श्री प्रभारी ध्रुव कुमार गोल्हानी संगीता तिवारी बीएसी विनोद विश्वकर्मा, मधु शर्मा, परीक्षा व्यवस्था हेतु राम प्रसाद मिश्रा, राजेश कुमार पटेल, जयप्रकाश धुर्वे, छवि पगारे, नमिता खम्हरिपा, संतोष बालवंशी, रामेश्वर नेवारे, उमाशंकर प्रजापति और पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

श्रीमती मल्लिका बैनर्जी- आलोक नगर अधारताल निवासी श्री रजत बैनर्जी की धर्मपत्नी श्रीमती मल्लिका बैनर्जी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रदीप झारिया- रानीपुर माली मोहल्ला निवासी श्री गोरे लाल झारिया के पुत्र श्री प्रदीप झारिया (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री चमन कुमार कुरील- गली नं. 11 सदर निवासी श्री चमन कुमार कुरील (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. चाहत कुशवाहा- त्रिमूर्ति नगर लाला चौक के पास निवासी श्री राजेश कुशवाहा की पुत्री कु. चाहत कुशवाहा (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुनीता रंगारी- भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री अम्बादास रंगारी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता रंगारी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लता कोरी- तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री पन्ना लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती लता कोरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री वंदना सोनी- दीक्षितपुरा छोटी देवन के पास निवासी श्री विपिन सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती वंदना सोनी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पुष्पा बेरी- पचपेढ़ी रोड निवासी श्री सत्यापाल बेरी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा बेरी (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री किशोरी लाल- ग्वारीघाट वार्ड निवासी श्री किशोरी लाल (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती इंदिरा बाई पंजवानी- सिंधी सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री हरीराम पंजवानी की धर्मपत्नी श्रीमती इंदिरा बाई पंजवानी (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सावित्री बाई नामदेव- कृष्णा कॉलोनी त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री भगवान दास नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री बाई नामदेव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जबर सिंह- गौरीघाट मुक्तिधाम परिसर निवासी श्री जबर सिंह (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गुड्डू लाल दुबे- मिलौनीगंज निवासी श्री गुड्डू लाल दुबे (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

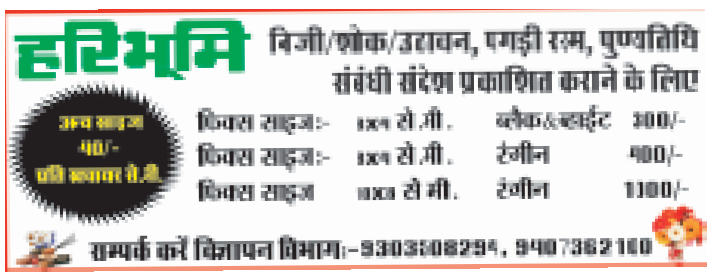

विष्णु वाराह कप लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब नरसिंहपुर ने जीता

मझौली। नगर परिषद मझौली में आयोजित श्री विष्णु वाराह कप अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मझौली एवं नरसिंहपुर टीम के बीच खेला गया। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए नरसिंहपुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 145 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मझौली की टीम 63 रन पर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार नरसिंहपुर की टीम ने फाइनल मुकाबला जीतकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।मैच उपरांत पुरस्कार वितरण समारोह में पाटन विधायक अजय विश्नोई, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा राजेंद्र चौरसिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या दिनेश चौरसिया सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को शील्ड एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सरस्वती घाट की धर्मशाला पर असामाजिक तत्वों का कब्जा, परिक्रमा वासी परेशान

भेड़ाघाट। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट के सरस्वती घाट पर नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए नगर परिषद द्वारा निर्मित धर्मशाला पर असामाजिक तत्वों के कब्जे का आरोप लगा है। बताया गया है कि धर्मशाला में अधिकांश समय ताला लगा रहता है, जिससे कड़ाके की ठंड में परिक्रमा वासियों को रुकने के लिए आश्रय नहीं मिल पा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता विद्यासागर दुबे ने आरोप लगाया कि नगर परिषद भेड़ाघाट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के चलते धर्मशाला की उचित देखरेख नहीं हो रही है तथा चाबी असामाजिक व्यक्तियों के पास होने से उन्होंने वहां कब्जा जमा लिया है। इससे श्रद्धालुओं एवं परिक्रमा वासियों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि सरस्वती घाट स्थित धर्मशाला को शीघ्र परिक्रमा वासियों के लिए खोला जाए तथा नगर परिषद की जिम्मेदारी तय कर व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए।

खबर संक्षेप

रुपया 50 पैसे टूटकर 90.84 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपये में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 50 पैसे टूटकर 90.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकसी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की।

विदेशी मुद्रा भंडार में 39.2 करोड़ डॉलर की वृद्धि दर्ज

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि नौ जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.124 अरब डॉलर घटकर 550.866 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं।

एलटीआई माइंडट्री को सीबीडीटी से मिला ठेका

नई दिल्ली। वैश्विक प्रौद्योगिकी परामर्श एवं डिजिटल समाधान कंपनी एलटीआई माइंडट्री को भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के वास्ते एआई-आधारित कार्यक्रम बनाने के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से 3,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका सात वर्ष की अवधि में पूरा किया जाएगा। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा, ''एलटीआई माइंडट्री को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से इनसाइट 2.0 परियोजना का ठेका मिला है जिसके तहत भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के लिए एक एआई-संचालित कार्यक्रम विकसित किया जाएगा।

फेडरल बैंक के लाभ में नौ फीसदी का इजाफा

मुंबई। फेडरल बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ नौ प्रतिशत बढ़कर 1,041 करोड़ रुपये रहा। केरल स्थित निजी क्षेत्र के इस बैंक का 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 955 करोड़ रुपये रहा था। बैंक ने शुक्रवार को बयान में कहा कि शुद्ध ब्याज आय नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,653 करोड़ रुपये हो गई।

विप्रो का लाभ 7 फीसदी घटकर 3,119 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3,119 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट नई श्रम संहिता के लागू होने के कारण 302.8 करोड़ रुपये के एकमुश्त अस्थायी प्रावधान के कारण आई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 3,353.8 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में विप्रो की परिचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23,555.8 करोड़ रुपये हो गई।

साल 2050 तक सोना हो सकता है 40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम, पहुंच से हो रहा दूर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में सोने की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे यह धीरे-धीरे आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ जैसे शहरों में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,43,760 रुपए है। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव 1,31,790 रुपए के करीब चल रहा है। महंगाई जैसे-जैसे बढ़ रही है पैसे की वैल्यू भी कम होती जा रही है। अक्सर हम-आप यह कैलकुलेट कर रहे होते हैं कि 1 करोड़ रुपए की वैल्यू अगले दस या बीस सालों में कितनी रह जाएगी। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 2050 तक सोने की कीमत कितनी रह जाएगी?

शादी-ब्याह में गोल्ड खरीदी के लिए 1 करोड़ रुपए भी पड़ जाएगे कम

सोने से मिल रहा दमदार रिटर्न

बीते कुछ सालों में सोने की कीमतों में गजब का उछाल आया है। इससे इसके निवेशकों की संपत्ति भी कई गुना बढ़ी है। साल 2000 में 24-कैरेट सोने की कीमत सिर्फ 4,400 रुपए प्रति 10 ग्राम और 2020 में 10 ग्राम के 24 कैरेट सोने की कीमत 50,000 रुपए थी। वहीं, आज यह 1,40,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार चला गया है। यानी कि महज छह सालों में सोने की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ गई हैं। बीते 30 साल के आंकड़े भी यही बताते हैं कि भारत में सोने की कीमत सालाना औसतन 10.83 प्रतिशत कंपाउंड वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) रही हैं।

रुपए के अवमूल्यन से बढ़ी कीमतें

रुपए का अवमूल्यन और महंगाई इसकी खास वजहें हैं। वैश्विक तनाव और अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से सेफ हेवन के रूप में सोने की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऐसे में इसकी कीमत भी अमेरिकी डॉलर में 5-7 प्रतिशत तक बढ़ी है। सोने पर दमदार रिटर्न को देखते हुए भी निवेशक इस ओर आकर्षित हो रहे हैं।

2050 तक कितनी हो जाएगी कीमत?

सोना चूंकि अब 1.40 लाख के ऊपर है, तो अब यह 14.6 प्रतिशत सीएजीआर ग्रोथ रेट को दिखाता है। अगर अगले 25 सालों तक सोने की कीमतें इसी दर (14.6 प्रतिशत सीएजीआर) से बढ़ती रहीं, तो 2050 में 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 40 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। इसका मतलब है कि उस समय 1 करोड़ रुपए में सिर्फ 25 ग्राम सोना ही खरीदा जा सकेगा।

कीमतों में वृद्धि के लिए कई कारक जिम्मेदार

हालांकि, ये कैलकुलेशन सिर्फ एक अनुमान है। सोने की कीमतें कई घरेलू और ग्लोबल फैक्टर्स पर निर्भर करती हैं, जैसे कि ब्याज दरें, डॉलर की स्थिति, सेंट्रल बैंक की नीतियां और ग्लोबल इकॉनमी। हालांकि, अनुमान के आधार पर देखें तो 2050 में सोने की कीमत 40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से ज्यादा या कम हो सकती है।

पीएम 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वी वर्षगांठ पर बोले

अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

आज देश में स्टार्टअप की संख्या 2 लाख से अधिक हो चुकी

प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक "क्रांति" करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है।

अगला दशक भारत को अग्रणी पंक्ति में खड़ा करने का होगा

जोखिम लेने की प्रवृति अब मुख्यधारा में आई

प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

डिजिटल व सेवा क्षेत्र में अच्छा काम हुआ

इसी तरह सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, /"बीते दशक में डिजिटल और सेवा क्षेत्र के स्टार्टअप में अच्छा काम हुआ है, लेकिन अब समय है कि स्टार्टअप विनिर्माण पर अधिक ध्यान दें और विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले नए उत्पाद बनाएं।/"

ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी स्टार्टअप खोल रहे

पीएम ने कहा कि मझोले और छोटे शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, जो देश में उद्यमिता के विस्तार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप में महिला निदेशक या भागीदार हैं। इसके अलावा महिलाओं की अगुवाई वाले स्टार्टअप को मिलने वाले वित्तपोषण के मामले में भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा परिवेश बन चुका है।

स्टार्टअप मिशन की शुरूआत 16 जनवरी 2016 से हुई

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे। 'स्टार्टअप इंडिया' मिशन की शुरुआत 16 जनवरी, 2016 को हुई थी। इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और रोजगार देने वालों की नई पीढ़ी तैयार करना है।

भारत एआई क्रांति में आगे रहेगा

कृत्रिम मेधा (एआई) पर सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो देश एआई क्रांति में आगे रहेगा, उसे उतना ही अधिक लाभ मिलेगा।

बीएसएनएल ने वायासैट से मिलाया हाथ

भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार उन्नयन कार्यक्रम में करेगा सहयोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार उन्नयन कार्यक्रम के अगले चरण को शुरू करने के लिए उपग्रह कंपनी वायासैट के साथ सहयोग किया है। यह कार्यक्रम इस महीने के अंत में शुरू होगा।

बीएसएनएल और भारतीय रक्षा बलों के बीच हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत, भारतीय नौसैनिक मंचों के लिए उन्नत, मजबूत और सुरक्षित संपर्क प्रदान करने के लिए वायासैट की उच्च-आवृत्ति श्रेणी वाली केए-बैंड उपग्रह प्रणालियों का उपयोग इसकी मौजूदा निम्न-आवृत्ति श्रेणी वाले एल-बैंड अवसंरचना के साथ किया जाएगा। बीएसएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि ने कहा, ''

बीएसएनएल को वायासैट के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से उन्नत संपर्क समाधान प्रदान करके भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार आधुनिकीकरण में सहयोग करने पर गर्व है। यह कदम भारत की रणनीतिक संचार आवश्यकताओं को मजबूत एवं सुरक्षित बुनियादी ढांचे के साथ पूरा करने के लिए बीएसएनएल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

वायसैट की विभिन्न सरकारी संगठनों के लिए काम करने वाली इकाई की टीम, कंपनी के संचार सेवा खंड के तहत इस कार्यक्रम में सहयोग करेगी।

उपकरण भारत पहुंच चुके

वायसैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा ने कहा, '' उपकरण भारत पहुंच चुके हैं और उसे लगाने का काम इस महीने शुरू होने वाला है। भारतीय नौसेना की उपग्रह संचार क्षमताओं के आधुनिकीकरण में सहयोग करते हुए हमें गर्व हो रहा है। यह उपलब्धि बीएसएनएन और भारतीय रक्षा बलों के साथ हमारे निरंतर सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

रिलायंस का लाभ मामूली बढ़कर हुआ 18,645 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विभिन्न कारोबार से जुड़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि खुदरा कारोबार में कमजोर रुख ने अन्य क्षेत्रों में हुए लाभ को बेअसर कर दिया।

कंपनी के अनुसार, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के कारण

खुदरा कारोबार में कमजोर रुख रहा

खुदरा कारोबार में धीमी वृद्धि देखने को मिली। हालांकि इसके ऊर्जा और डिजिटल इकाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा।

मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में इसका शुद्ध लाभ 18,645 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक वर्ष पहले यह 18,540 करोड़ रुपये था।

कंपनी का राजस्व परिचालन बढ़ा

परिचालन राजस्व आलोच्य तिमाही में बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2.43 लाख करोड़ रुपये था।

गेल ने की मुंबई-नागपुर गैस पाइपलाइन परियोजना पूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की गैस परिवहन एवं विपणन कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने मुंबई–नागपुर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (एमएनपीएल) परियोजना को पूरा कर लिया है। करीब 694 किलोमीटर लंबी यह पाइपलाइन मुख्यतः महाराष्ट्र की समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे के किनारे तीन मीटर चौड़ी पट्टी में बिछाई गई है। यह परियोजना 'प्रधानमंत्री गति शक्ति' ढांचे के तहत देश में पहली बार किसी उच्च क्षमता वाली गैस पाइपलाइन को घने परिवहन कॉरिडोर के साथ एकीकृत करने का प्रमुख उदाहरण मानी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि, इस पाइपलाइन का करीब 675 किलोमीटर लंबा यानी लगभग 96 प्रतिशत हिस्सा समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे के किनारे तीन मीटर चौड़ी पट्टी में बिछाया गया है, जबकि सामान्यतः ऐसी पाइपलाइनों के लिए 20–30 मीटर क्षेत्र की जरूरत होती है।

मारुति ने 'विक्टोरिस' मॉडल का निर्यात किया शुरू

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपनी मिड-साइज एसयूवी 'विक्टोरिस' को विदेशी बाजारों के लिए निर्यात करना शुरू कर दिया है।कंपनी ने एक बयान में कहा कि मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से इस मॉडल की 450 से अधिक इकाइयां वैश्विक बाजारों के लिए रवाना की गई हैं। इस एसयूवी को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 'एक्रॉस' नाम से बेचा जाएगा। इस वाहन को करीब 100 देशों और क्षेत्रों में बेचे जाने की उम्मीद है, जिनमें लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका शामिल हैं।

कंपनी ने 'विक्टोरिस' मॉडल को घरेलू बाजार में पिछले साल सितंबर में पेश किया था। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी की निर्यात यात्रा 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की दृष्टि से प्रेरित है।

M.P. POWER TRANSMISSION CO. LTD.
Office of The Chief Engineer (T&C) Block No. 4, Shakti Bhawan Rampur, Jabalpur M.P.-482008 Phone : 0761–2702210, 2702203, 2702202, E-mail : ce.tnc@mptransco.nic.in

TENDER NOTICE

Following Tender is invited under T&C wing of MPPTCL-

Tender Specification No.	Name of work	EMD (In ₹)	Tender Cost i/c GST	Due Date of Opening of Tender Online
TS-01/ 2026	Appointment of Service Provider to implement ISMS (ISO 27001:2022) at Transco SCADA Jabalpur & Indore and also provide certification along with two years Surveillance audit & Internal Audit.	21,500/-	₹1,180/-	18.02.2026

For further detail & downloading of tender document, please visit our website www.mptransco.in.
M.P. Madhyam/124028/2026 //SAVE ELECTRICITY// CHIEF ENGINEER (T&C)

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख मे)	निविदा प्रपत्र मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO NO 768 DATE -16/01/2026	संभाग क्र. 09 लालमाटी अंतर्गत आचार्य विनोवा भावे वार्ड में करियापाथर शमशान घाट काली मंदिर के सामने प्रवेश द्वार का जीर्णोद्वार कार्य।	02 माह	2000/-	02/02/2026
	TENDER NO. 2026_UAD_476373_1		2.65/-	2,654/-	

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम
जबलपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
रेल मार्गों पर विश्वसनीयता में सुधार हेतु ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:
निविदा सूचना क्र.: ST-MSDAC-MainL-RustyR26R4 दिनांक: 07.01.2026
कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में जलभराव वाली मुख्य लाइन DC ट्रैक सर्किट के समानांतर MSDAC बिछा कर और जंग लगे रेल मार्गों पर विश्वसनीयता में सुधार।
निविदा मूल्य: ₹ 11,55,63,226/-,
बिड सिक्युरिटी: ₹ 7,27,800/-,
समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।
निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दिनांक **02.02.2026** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता,
MS/61-270 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

SBI भारतीय स्टेट बैंक
ए. एम. सी. सी. (62622), शहडोल, मध्यप्रदेश
State Bank of India
AMCC(62622), Shahdol, Madhyapradesh
Phone No 9407749611, email-sbi.62622@sbi.co.in
पत्र सं. ए. एम. सी. सी./2025-26/11 दिनांक-16/01/2026
शाखा का नाम - भारतीय स्टेट बैंक, एम आर डिंडोरी, जिला- डिंडोरी, मध्यप्रदेश शाखा कूट क्रमांक- 30452
ऋणी का नाम- श्री प्रशांत गुप्ता पिता श्री अनिल गुप्ता
संपत्ति मालिक श्रीमति संगीता बाई पति श्री अनिल गुप्ता
गाँव- करंजीया पोस्ट करंजीया, तहसील- डिंडोरी
जिला - डिंडोरी, मध्यप्रदेश
चौहदी- उत्तर- दरबारी का दुकान दक्षिण सीता देवी का दुकान, पूरब-खन्नाद रोड, पश्चिम शिवप्रसाद की जमीन
माँग पत्र (डिमांड नोटिस) दिनांक 07/10/2025, राशि रुपया 41,41,682.86 + ब्याज + अन्य खर्चे (रुपया एकतलिश लाख एकतलिश हजार छः सौ बयासी एवं छ्यासी पैसा मात्र + ब्याज + अन्य खर्चे)
जमानतदार का नाम /- श्रीमति संगीता बाई पति श्री अनिल गुप्ता
संपत्ति का विवरण खसरा संख्या 1669/4/1, एरिया 4350 वर्ग फीट
- सांकेतिक कब्जा दिनांक - 12/01/2026
मुख्य प्रबन्धक, ए. एम. सी.सी. शहडोल

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन अपर सचिव
मध्य प्रदेश शासन, राजस्व विभाग जिला - जबलपुर
धारा - 11 (1) की प्रारंभिक अधिसूचना

कमांक 193 /भू-अर्जन /प्र.क. 005 / अ-82/2025-26 जबलपुर, दिनांक 30/12/2025

प्र.क..005/अ 82/2025-26 चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे सलंग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उनके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा (11) की उपधारा (1) के उपबंधो के द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त संबंधित भूमि के संबंध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा (12) द्वारा दी गई शक्तियो का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।

अर्जित की जाने वाली प्रस्तावित भूमि के संबंध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा (6) के अंतर्गत कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्रमांक 1 जबलपुर द्वारा जबलपुर (डुमना) ऐयरपोर्ट से जबलपुर रिंग रोड तक पहुँच मार्ग लम्बाई 13.126 कि.मी. निर्माण हेतु भू-अर्जन हेतु ग्राम उमरिया तहसील रांझी जिला जबलपुर के अंतर्गत की निजी भूमि का अधिग्रहण बावत जहाँ तत्समय प्रवत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन पर्यावरणीय समाघात निर्धारण की प्रक्रिया की अपेक्षा की जाती है, इस अधिनियम के सामाजिक समाघात निर्धारण उपबंध लागू नही होगे। अत: अधिनियम की धारा 11 (3) के अंतर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश प्रकाशित नहीं किया जा रहा है। भू-अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण निम्नानुसार है :-

अनुसूची

भूमि का वर्णन			क्षेत्रफल अर्जित रकबा (हेक्ट. में)		धारा 11 (1) के तहत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम का नाम	खसरा न.	रकवा		
1	2	3	4		5	6
जबलपुर	रांझी	उमरिया (प.ह.न. 10)	102/2, 103 109/1 114/1/1/1 114/1/1/2 114/1/2 114/2 114/3 115 135	0.0300, 0.0400, 0.0700, 0.0066, 0.0045, 0.0065, 0.0162, 0.0160, 0.2470, 0.1400,	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्रमांक 1 जबलपुर	जबलपुर (डुमना) ऐयरपोर्ट से जबलपुर रिंग रोड तक पहुँच मार्ग लम्बाई 13.126 कि.मी. निर्माण हेतु
			कुल रकबा	0.5768		

1. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति प्रकाशन की जानकारी वेबसाइट www.jabalpur.nic.in एवं मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग भोपाल की वेवसाइट www.revenue.mp.gov.in पर भी देखा जा सकता है।
2. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय एवं भू-अर्जन अधिकारी, रांझी के कार्यालय में एवं कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्रमांक 1 जबलपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है।
3. अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या कोई भी संव्यवहार नहीं होने देगा अर्थात कय/ विक्रय आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।
4. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 15(1) के अधीन इस अधिसूचना प्रकाशन के 60 दिनों के अंदर भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष आक्षेप यदि कोई हो, फाईल किये जा सकेंगे।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(श्री राघवेन्द्र सिंह)
कलेक्टर जबलपुर एवं पदेन अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
G-24364/25

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक / 94/ जि.भू.अ./2025 — सिवनी दिनांक 08/01/2026

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 15 (1) के अंतर्गत प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन तारीख से प्रावधानित समय सीमा 60 दिवस की अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण अधिनियम की धारा 15 (2) के अंतर्गत कोई रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं है। इस आधार पर समुचित सरकार को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित परियोजना हेतु अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित निजी भूमि एवं उस पर स्थित स्थावर परिसंपत्तियों की सार्वजनिक लोक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अत: भूमि अर्जन पुनर्वासन, पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है। कि निम्न अनुसूचियों के पद (2) में वर्णित भूमि एवं उस पर स्थित स्थाई परिसंपत्तियां लोक प्रयोजन हेतु आपेक्षित है :-

अनुसूची

1- परियोजना का नाम:- शेर सिंचाई कॉम्पलेक्स बांध क्रमांक 1 2- भूमि का विवरण(क) जिला:-सिवनी (ख) तहसील:-लखनादौन (ग) नगर/ग्राम:-सिरमंगनी प.ह.नं.-72 (घ)लगभग क्षेत्रफल:-95.71 हेक्टेयर

स. क्र.	सर्वेक्षण क्रमांक	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्र. हे. में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाऐं: उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	वृक्ष: प्रगति किस्म	संख्या	संरचना: प्रकार	प्लिथ एरिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	3	भूमिस्वामी	कृषि	2.43	व्यासकुमार मंशोबाई गनेशीबाई ज्ञानवती पिता मकई सुकरतीबाई बेवा मकई मंशाराम पिता जंगलु जाति गोड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	खसरा 1 की भूमि	खसरा 43 की भूमि	खसरा 4 की भूमि	खसरा 2 की भूमि	महानीम,नीम,छिवला बहेरा,ऊमर,लेडिया, महुआ,कंजई,खैर	3,5,45, 1,4,3,1 1,1	-	-
2	4	भूमिस्वामी	कृषि	2.83	मिहिया पुत्री कुध्दु भुरिया बेवा कुदु फुल्लु पिता कुदु हल्की सर-स्वती पुत्री कुध्दु भवानी बाबूलाल भुवनसिंग पिता गँगा समनीबाई बेवा गँगा कलोबाई पत्नी दल्लू बारोबाई पत्नी गूहा जाति गोड पता तोरन ढोला सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 1 की भूमि	खसरा 12/1 की भूमि	खसरा 5 की भूमि	खसरा 3 की भूमि	-	-	-	-
3	6/1/1	भूमिस्वामी	कृषि	3.59	कन्हैया पिता परमसुख तरूणबाई उमाबाई पिता पिल्लू छोटीबाई बेवा पिल्लु जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 6/2 की भूमि	खसरा 5 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 7 की भूमि	ईमली	2	-	-
4	6/1/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.40		खसरा 6/2 की भूमि	खसरा 5 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 7 की भूमि	-	-	-	-
5	6/2/1	भूमिस्वामी	कृषि	1.28	शिल्पा जैन पत्नी रितेष कुमार जैन जाति बनिया पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश नि.ग्रा. भूमिस्वामी	खसरा 8 की भूमि	खसरा 6/1/1 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 6/1/1 की भूमि	-	-	तालाब	क्षेत्रफल 11104 वर्ग मी गहराई 10मी
6	6/2/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.03		खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 6/2/4 की भूमि	-	-	-	-
7	6/2/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.03		खसरा 8 की भूमि	खसरा 6/2/1 की भूमि	खसरा 6/2/5 की भूमि	खसरा 7 की भूमि	-	-	-	-
8	6/2/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	वृषभ जैन नाबालिग रितेष कुमार जैन संरक्षक रितेष कुमार कुमार जैनजाति बनिया पता लखनादौन लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 6/2/2 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 6/2/1 की भूमि	-	-	-	-
9	6/2/5	भूमिस्वामी	कृषि	0.03		खसरा 8 की भूमि	खसरा 6/2/1 की भूमि	खसरा 6/2/7 की भूमि	खसरा 6/2/3 की भूमि	-	-	-	-
10	6/2/6	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	ऋषिका जैन नाबालिग रितेष कुमार जैन संरक्षक रितेष कुमार कुमार जैनजाति बनिया पता लखनादौन लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 7 की भूमि	खसरा 6/1/1 की भूमि	खसरा 6/2/1 की भूमि	खसरा 7 की भूमि	-	-	-	-
11	6/2/7	भूमिस्वामी	कृषि	0.03		खसरा 8 की भूमि	खसरा 6/2/1 की भूमि	खसरा 6/2/1 की भूमि	खसरा 6/2/5 की भूमि	-	-	-	-
12	10	भूमिस्वामी	कृषि	0.40	नेमसिंग पिता मन्नीलाल नन्हियाबाई बेवा मन्नीलाल जाति अहीर पता सिरमंगनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी लखनादौन सिवनी	खसरा 9 की भूमि	खसरा 11/1 की भूमि	खसरा 17 की भूमि	खसरा 8 की भूमि	-	-	-	-
13	11/1	भूमिस्वामी	कृषि	2.72	गीताबाई बेवा हितउ श्यामसिंह नोखेलाल पिता हितउ, भारत भारती पिता उमेरसिंह जाति गोंड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 10 की भूमि	खसरा 5 की भूमि	खसरा 16 की भूमि	खसरा 6/1 की भूमि	छिवला	8	-	-
14	549/2	भूमिस्वामी	कृषि	1.41		खसरा 565 की भूमि	खसरा 549/1 की भूमि	खसरा 550 की भूमि	खसरा 565 की भूमि	सेमर,बेर,छिवला, नीम,महानीम,महुआ बहेरा	1,7,34, 1,1,1,1	-	-
15	11/2	भूमिस्वामी	कृषि	2.50	सीताराम बतोबाई रेतोबाई पिता धरमू जाति गोड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा16 की भूमि	खसरा12/1 की भूमि	खसरा 15 की भूमि	खसरा 11 /1 की भूमि	छिवला,बेर,आम,युकेलिप्टिस,सबबूल, बबूल,नीलगिरी,उमर	4,5,2,1 12,1,1 1	कच्चा मकान कच्चा पशुघर	(लं 7मीXचौ8.35) (लं 6.7मीXचौ8.5)
16	549/1	भूमिस्वामी	कृषि	2.00		खसरा 549/2 की भूमि	खसरा 548 की भूमि	खसरा 550 की भूमि	खसरा 546 की भूमि	छिवला,सागोन,नीम, लेडिया,कंजई,अम-रूद,महुआ,बहेरा,आम,आंवला,भिलमा, कटहल,महानीम, सीताफल	25,20, 3,8,1, 12,8,1, 1,1,1,1 3,4	कच्चा मकान 1	(लं 15.7 मीXचौ14.7)(लं 2.3 मीXचौ6.7) (लं 2.3 मीXचौ6.7)
17	12/1	भूमिस्वामी	कृषि	1.63	मैनाबाई सावित्रीबाई पिता झाडू जाति गोड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 4 की भूमि	खसरा 43 की भूमि	खसरा12/2 की भूमि	खसरा 3 की भूमि	-	-	-	-
18	12/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.97	पुन्नु पिता बिरझु जाति गोड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा11/2 की भूमि	खसरा43 की भूमि	खसरा 12/3 की भूमि	खसरा 12/1 की भूमि	-	-	-	-
19	12/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.82	मुरारी पिता बिरझु जाति गोड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 11/2 की भूमि	खसरा 43 की भूमि	खसरा 13 की भूमि	खसरा 12/2 की भूमि	-	-	-	-
20	13	भूमिस्वामी	कृषि	0.32	बिन्दु बेवा शिवकुमार, गणेश अवधेश रेखा पिता शिवकुमार जाति वर्मा पता सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 15 की भूमि	खसरा 43 की भूमि	खसरा 14 की भूमि	खसरा 12/3 की भूमि	-	-	-	-
21	26	भूमिस्वामी	कृषि	1.40		खसरा 20 की भूमि	खसरा 15 की भूमि	खसरा 25 की भूमि	खसरा 16 की भूमि	-	-	-	-
22	72/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.25	नीकेलाल पिता हेमराज जाति तेली पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 58/1 की भूमि	खसरा 543 की भूमि	खसरा 73 की भूमि	खसरा 70/2 की भूमि	-	-	-	-
23	72/6	भूमिस्वामी	कृषि	0.25	मन्नूलाल पिता हेमराज जाति तेली पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खसरा 72/7 की भूमि	खसरा 543 की भूमि	खसरा 73 की भूमि	खसरा 70/2 की भूमि	-	-	-	-
24	544/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.21		खसरा 544 /2 की भूमि	खसरा 546 /8 की भूमि	खसरा 543 की भूमि	खसरा 546/3/2 की भूमि	-	-	-	-
25	15	भूमिस्वामी	कृषि	1.12	पार्वती बेवा मदनलाल अनिल सुशील संजूबाई मंजूबाई पिता मदन लाल, सुभद्राबाई बेवा मोहन, मनोज बालाराम दीनकुमारी पिता मोहन जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख. 26 की भूमि	ख. 13 की भूमि	ख. 27 की भूमि	ख. 16 की भूमि	-	-	-	-
26	16	भूमिस्वामी	कृषि	1.90	राधेश्याम मुकेश पिता रमेशचंद जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख. 17 की भूमि	ख. 11/2 की भूमि	ख.15.26 की भूमि	ख. 11/1 की भूमि	बेर छिवला	1, 5	-	-
27	17	भूमिस्वामी	कृषि	0.55	जगदीश पिता नेमसिह, जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख. 18 की भूमि	ख. 16 की भूमि	ख. 19 की भूमि	ख. 10 की भूमि	-	-	कच्चा मकान 1	(लं 10मीX चौ6.80)चौ 6 इंचकेसिंग 15 मी गह. 120मी)
28	27	भूमिस्वामी	कृषि	0.40		ख. 28 की भूमि	ख. 14 की भूमि	ख. 29 की भूमि	ख. 15 की भूमि	-	-	-	-
29	597/2/1	भूमिस्वामी	कृषि	1.06		ख. 593/2 की भूमि	ख.597/1 की भूमि	ख.619/3 की भूमि	ख.596/3 की भूमि	छिवला बबूल	5,3	-	-
30	598/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.25		ख. 596 की भूमि	ख.597/2/1 की भूमि	ख.597/2/1 की भूमि	ख. 598/1 की भूमि	छिवला	1	-	-
31	597/2/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.06	मुकेश पिता देवसिंह जाति अहीर पता लखनादौन सिवनी मध्य प्रदेश भूमिस्वामी	ख. 597/2/1 की भूमि	ख.597/1 की भूमि	ख.597/1 की भूमि	ख.598/1 की भूमि	-	-	-	-
32	597/1 597/5	भूमिस्वामी	कृषि	1.24		ख. 597/2/1 की भूमि	ख.597/2/2 की भूमि	ख.619/3 की भूमि	ख.597/4 की भूमि	बबूल	7	-	-
33	28	भूमिस्वामी	कृषि	0.02	रामकली, शकुन्तला,बिरिया पुत्री छन्नु,रेवतीबाई बेवा छन्नु,विशाल पिता महेन्द्रकुमार,विशाखा नाबालिग पुत्री महेन्द्रकुमार जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.24/2 की भूमि	ख.29 की भूमि	ख.30/7/1 की भूमि	ख.25 की भूमि	-	-	-	-
34	29	भूमिस्वामी	कृषि	0.25	देवसिग पिता मन्नी जाति अहीर पता सिवनी मध्यप्रदेश सिरमंगनी लखनादौन	ख.28 की भूमि	ख.43 की भूमि	ख.30/8 की भूमि	ख.27 की भूमि	-	-	-	-
35	55	भूमिस्वामी	कृषि	0.05		ख.43 की भूमि	ख.76 की भूमि	ख.54 की भूमि	ख.43 की भूमि	बबूल	7	-	-
36	54	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	दुगार्बाई पत्नी इन्द्रकुमार, रेखाबाई पत्नी गंगाराम, जाति ढीमर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.43 की भूमि	ख.92 की भूमि	ख.52/6 की भूमि	ख.55 की भूमि	-	-	-	-
37	61	भूमिस्वामी	कृषि	0.60	सँघर्षकुमार पिता एसएल श्रीमाली जाति हल्वा पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.43 की भूमि	ख.92 की भूमि	ख.60/2 की भूमि	ख.62 की भूमि	-	-	-	-
38	62	भूमिस्वामी	कृषि	4.04	होरीलाल पिता सुम्मी हरि नाबालिग पिता गेन्दलाल संरक्षक गेन्दलाल आ.हिरदे जाति गोड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश	ख.43 की भूमि	ख.70/2 की भूमि	ख.61 की भूमि	ख.67 की भूमि	नीम,छिवला,बबूल, बहेरा,कहुआ,बेर	3,8,10, 2,1,1	-	-
39	63	भूमिस्वामी	कृषि	1.22	चतुरसिह चंदरसिह पिता बखतसिंह जाति गोड पता सुरहई सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.64 की भूमि	ख.67 की भूमि	ख.62 की भूमि	ख.67 की भूमि	नीम,छिवला,बबूल,	6,3,1	-	-
40	65	भूमिस्वामी	कृषि	0.35		ख.43 की भूमि	ख.66 की भूमि	ख.64 की भूमि	ख.66 की भूमि	नीम,छिवला,	5,1	-	-
41	64	भूमिस्वामी	कृषि	1.13	किरसन पिता लोकमनलाल जाति गौंड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी भूमिस्वामी	ख.43 की भूमि	ख.66 की भूमि	ख.62 की भूमि	ख.65 की भूमि	नीम	1	-	-
42	69/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.95	सुरेश पिता लालसिह, भूरीबाई बेवा ज्ञानी, दर्शनलाल राजकुमार अनीता पिता ज्ञानी, हक्कु पिता लालसिंह जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.70/2 की भूमि	ख.345 की भूमि	ख.544/1 की भूमि	ख.547 की भूमि	लेडिया,छिवला,बेर	5,2,1	-	-
43	69/2	भूमिस्वामी	कृषि	1.30	मनीराम पिता दुकाली जाति गौड पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.69/3 की भूमि	ख.69/1 की भूमि	ख.70/2 की भूमि	ख.68 की भूमि	ऊमर,बबूल,नीम	1,1,3	-	-
44	69/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.58		ख.62 की भूमि	ख.69/2 की भूमि	ख.70/2 की भूमि	ख.68 की भूमि	-	-	-	-
45	70/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.21	गुम्माबाई पत्नी गिन्दु जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.72 की भूमि	ख.69/1 की भूमि	ख.72 की भूमि	ख.70/2 की भूमि	छिवला,लेडिया	3,9	-	-
46	546/17	भूमिस्वामी	कृषि	0.81		ख.546/6 की भूमि	ख.565 की भूमि	ख.546/15 की भूमि	ख.547 की भूमि	-	-	-	-
47	70/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	बुद्ध रिझन रबिया पिता मुरारी, दुगार्बाई बेवा आल्हा नरेश पिता आल्हा, मानसी पिता संतोष जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.62 की भूमि	ख.70/1 की भूमि	ख.72 की भूमि	ख.69/3 की भूमि	बहेरा, नीम	1,1	-	-
48	543	भूमिस्वामी	कृषि	1.12	ताराबाई बेवा दोलत बद्रीप्रसाद राजेश पिता दोलत, बुद्धाबाई हिल्लनबाई तारनीबाई पुत्री दोलत, मुरली पिता छोटा,पमिया बेवा छोटा, प्यारी पुत्री छोटा जाति तेली पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.72 की भूमि	ख.546/10 की भूमि	ख.542/2 की भूमि	ख.544/2 की भूमि	-	-	-	-
49	544/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.39	मन्नूलाल,नीकेलाल,कृपराम, सुखराम, मुन्नीबाई पिता हेम राज, संतोष, पुष्पा पिता हल्के, कोमलप्रसाद, मालती,शारदा बाई, शांति बाई पिता ब्रजलाल जाति तेली पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्य प्रदेश भूमिस्वामी	ख. 72 की भूमि	ख. 544/2 की भूमि	ख.543 की भूमि	ख.546 की भूमि	-	-	-	-
50	544/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.57	सुखराम पिता हेमराज जाति तेली, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमि	ख.544/1 की भूमि	ख.544/3 की भूमि	ख.543 की भूमि	ख.546/4 की भूमि	-	-	-	-
51	544/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.45	दुर्गाप्रसाद पिता कलीराम जाति तेली पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.544/2 की भूमि	ख.546/8 की भूमि	ख.543 की भूमि	ख.546/3/2 की भूमि	बहेरा,बबूल,आम	1,1,2	-	-
52	546/5	भूमिस्वामी	कृषि	0.60	राजकुमार पिता ज्ञानी जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन भूमिस्वामी सिवनी मध्यप्रदेश	ख.69/1 की भूमि	ख.546/1 की भूमि	ख.544/1 की भूमि	ख.547 की भूमि	-	-	-	-
53	545	भूमिस्वामी	कृषि	0.10		ख.69/1 की भूमि	ख.546/5 की भूमि	ख.69/1 की भूमि	ख.547/1 की भूमि	-	-	-	-
54	546/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.01	सुरेश पिता लालसिंह जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	ख.546/14 की भूमि	ख.565 की भूमि	ख.546/7 की भूमि	ख.546/15 की भूमि	-	-	-	-
55	546/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.60	विनोदकुमार पितासुरेशचंद,लच्छी पितासुरेशचंद,जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/3/2 की भूमि	ख.546/6 की भूमि	ख.546/16 की भूमि	ख.547 की भूमि	आम,महानीम	6,1	-	-
56	546/3/1/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.14	केतकी पिता मुक्की, कुन्जा पिता मुक्की, जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/4 की भूमि	ख.546/2 की भूमि	ख.546/3/2 की भूमि	ख.547 की भूमि	-	-	-	-
57	546/3/1/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.20		ख.546/3/2 की भूमि	ख.546/7 की भूमि	ख.546/3/2 की भूमि	ख.546/16 की भूमि	-	-	-	-
58	546/3/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.66	संतकुमार पिता हक्कू जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/4 की भूमि	ख.546/2 की भूमि	ख.544/3 की भूमि	ख.546/3/1/1की भूमि	बेर,छिवला,लेडिया	4,3,1	पक्का कुआ 1	व्यास 7 मी गहराई 7 मी
59	546/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.90	लोकमन पिता लक्ष्मणप्रसाद जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/5 की भूमि	ख.546/3/2 की भूमि	ख.544/2 की भूमि	ख.547 की भूमि	-	-	-	-
60	546/6	भूमिस्वामी	कृषि	0.84	गम्मा बेवा गिन्दू, देवसिंह पिता गिन्दू, लाखन पिता गिन्दू, अंजो पिता गिन्दू जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/2 की भूमि	ख.546/17 की भूमि	ख.544/16 की भूमि	ख.547 की भूमि	-	-	-	-
61	546/7	भूमिस्वामी	कृषि	0.20	लक्ष्मण पिता लालसिंह जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/3/1/2की भूमि	ख.565 की भूमि	ख.546/8 की भूमि	ख.546/16 की भूमि	-	-	-	-
62	546/15	भूमिस्वामी	कृषि	0.19	जगदीश पिता सोबनराम चंद्रा जाति सिल्पकार पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.546/16 की भूमि	ख.565 की भूमि	ख.546/1 की भूमि	ख.546/17 की भूमि	-	-	-	-
63	546/16	भूमिस्वामी	कृषि	0.61		ख.546/2 की भूमि	ख.546/15 की भूमि	ख.546/7 की भूमि	ख.546/6 की भूमि	-	-	-	-
64	550	भूमिस्वामी	कृषि	1.80	ज्ञानी सुरेश लछ्मन हक्कू पिता लालसिह, सोहद्रा पुत्री लालसिंह, सावित्रीबाई रवि रीझन मथुराबाई बुध्दू पिता मुरारी, अंजो लाखन देवसिंह पिता गिन्दू, गुम्माबाई बेवा गिन्दू,नरेश यादव पिता आल्हा उर्फ किशन, दुगार्बाई यादव बेवा दुगार्बाई यादव बेवा आलह उर्फ किशन, जाति अहीर पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.565 की भूमि	ख.548 की भूमि	ख.551 की भूमि	ख.549/1 की भूमि	-	-	-	-
65	553/1	भूमिस्वामी	कृषि	2.46	तुलसीराम खुमानसिंह भुन्नु उर्फ संतकुमार, रामकुमारी पिता धरमू ब्रजेश पिता रामरतन, प्रहलाद अनुसुईया पिता रामरतन, मुन्नीबाई बेवा सदा राजेश राधा पिता सदा जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनीमध्यप्रदेश भूस्वामी	ख.554 की भूमि	ख.603/2 की भूमि	ख.600 की भूमि	ख.547 की भूमि	छिवला,खैर,बबूल	17,1,4	-	-
66	553/2	भूमिस्वामी	कृषि	1.00	राजेश पिता सदाराम जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.58 की भूमि	ख.553/1 की भूमि	ख.559 की भूमि	ख.555 की भूमि	छिवला	10	-	-
67	554	भूमिस्वामी	कृषि	0.85	मुन्नीबाई बेवा सदा, राजेश राधाबाई पिता सदा जातिअहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.556 की भूमि	ख.553 की भूमि	ख.555 की भूमि	ख.5520 की भूमि	छिवला	7	-	-
68	555	भूमिस्वामी	कृषि	0.65	प्रहलाद ब्रजेश अनुसुईया पिता रामरतन जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.557/1 की भूमि	ख.553/1 की भूमि	ख.553/2 की भूमि	ख.554 की भूमि	बेर,छिवला	1,1	-	-
69	552	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	मुन्नुलाल नाबालिग पिता धरमु संरक्षकरामरतन जातिअहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.551 की भूमि	ख.553/1 की भूमि	ख.554 की भूमि	ख.550 की भूमि	-	-	-	-
70	559	भूमिस्वामी	कृषि	0.90	मुन्नुलाल पिता धरमु कलिया पति धरमु जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.565 की भूमि	ख.600 की भूमि	ख.560 की भूमि	ख.558 की भूमि	छिवला	2	पक्का कुआ 1	व्यास 7मी गहराई7मी
71	557/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.02	जयराम नाबालिग पिता गोपाल संरक्षक गोपाल जातिअहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.565 की भूमि	ख.555 की भूमि	ख.558 की भूमि	ख.556 की भूमि	-	-	-	-
72	558	भूमिस्वामी	कृषि	0.62	नीलाल पिता हेमराज जाति तेली पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.565 की भूमि	ख.553/2 की भूमि	ख.559 की भूमि	ख.557/2 की भूमि	-	-	-	-
73	562	भूमिस्वामी	कृषि	2.20	हुन्नु खुमान दस्सो डिगलो सुशीला सिब्बी पिता हल्ली देव सिह मंगलु किशनलाल रामकली पिता मुल्लीलाल बतीबाई बेवा मुल्ली जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.565 की भूमि	ख.592/1 की भूमि	ख.564/3 की भूमि	ख.560 की भूमि	बबूल,छिवला,सेमर	1,1,1	कक्का कुआ 1	व्यास 6मी गहराई5मी
74	563	भूमिस्वामी	कृषि	0.48	चिरोंजीलाल ऊर्फ चैतराम पिता बारेलाल जाति बाम्हण पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.564/2 की भूमि	ख.588 की भूमि	ख.567/2 की भूमि	ख.562 की भूमि	बबूल	1	-	-
75	567/5	भूमिस्वामी	कृषि	0.35	राघवेन्द्र पिता ईश्वरी प्रसाद जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.565 की भूमि	ख.584 की भूमि	ख.581 की भूमि	ख.564/2 की भूमि	बबूल	1	-	-
76	587	भूमिस्वामी	कृषि	0.08	खिम्मू पिता बुध्दा, जमना, केशर, सुमित्रा पुत्री रघुवीर सुशीला बेवा लालसिह सिलतीबाई बेवा लालसिह ओमप्रकाश, संतोष, विज य पिता लालसिह सिल्ला पत्नी गुल्लू, सुनीता पत्नी महेश सिताबाई पत्नी मानक जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.588 की भूमि	ख.589/1 की भूमि	ख.584 की भूमि	ख.589/2 की भूमि	बबूल	1	-	-
77	609	भूमिस्वामी	कृषि	0.51		ख.617/1 की भूमि	ख.611 की भूमि	ख.610 की भूमि	ख.605 की भूमि	-	-	-	-
78	616	भूमिस्वामी	कृषि	1.22		ख.617/1 की भूमि	ख.615 की भूमि	ख.643/1 की भूमि	ख.614/4 की भूमि	बबूल,आम,बेर, छिवला,कन्जई	2,2,2,2 2,1	कक्का कुआ 2	व्यास 8मी गहराई5मी व्यास 9मी गहराई5मी
79	618	भूमिस्वामी	कृषि	0.85		ख.620 की भूमि	ख.617/1 की भूमि	ख.621 की भूमि	ख.619/1 की भूमि	बेर,महुआ	3,2	-	-
80	588	भूमिस्वामी	कृषि	0.70	संध्या पति केशवप्रसाद जाति ब्राम्हण पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.563 की भूमि	ख.589/2 की भूमि	ख.567/2 की भूमि	ख.562 की भूमि	बबूल	4	बोर 1	चो 6इंच गहराई150 मी.केसिंग 12मी
81	589/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.42		ख.588 की भूमि	ख.590 की भूमि	ख.587 की भूमि	ख.594/2 की भूमि	-	-	-	-
82	591	भूमिस्वामी	कृषि	0.65	दशरथ पिता मोतीलाल जाति राजपुत पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.589/2 की भूमि	ख.619/3 की भूमि	ख.590 की भूमि	ख.592/2 की भूमि	-	-	-	-
83	592/1	भूमिस्वामी	कृषि	1.77	सुरेश नाबालिग पिता खुमान संरक्षक खुमानब जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.562 की भूमि	ख.1 की भूमि	ख.592/2 की भूमि	ख.593/1 की भूमि	बबूल	5	-	-
84	592/2	भूमिस्वामी	कृषि	1.77	हुन्नु खुमान दस्सो डिगलो सुशीला सिब्बी पिता हल्ली जाति अहीर पतासिरमंगनी लखनादौन सिवनीमध्यप्रदेशभूमिस्वामी	ख.562 की भूमि	खसरा 1 की भूमि	ख.589/2 की भूमि	ख.592/1 की भूमि	बेर,बबूल,छिवला	7,1,1	कक्का कुआ 1	व्यास 7मी गहराई5मी
85	593/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.31	नरबद बेवा दिदिया, बाबूलाल हल्केप्रसाद नन्हे संतोषकुमार पिता दिदिया, वैजन्ती सुमंत्रा पुत्री दिदिया जाति दरजी, पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.562 की भूमि	ख.593/2 की भूमि	ख.592/1 की भूमि	ख.595 की भूमि	छिवला	1	-	-
86	598/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.31		ख.596 की भूमि	ख.597/2/2 की भूमि	ख.598/3 की भूमि	ख.598/2 की भूमि	-	-	-	-
87	619/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.15		ख.619/3 की भूमि	ख.619/1 की भूमि	ख.619/1 की भूमि	ख.597/1 की भूमि	-	-	-	-
88	593/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.31	देवसिह पिता मुलुवा जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.593/1 की भूमि	ख.597/2/1 की भूमि	ख.592/1 की भूमि	ख.595 की भूमि	बबूल	3	-	-
89	594	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	खुमान देवकरन पिता हल्ली जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.562 की भूमि	ख.595 की भूमि	ख.593/1 की भूमि	ख.560 की भूमि	-	-	-	-
90	595	भूमिस्वामी	कृषि	0.95	दिनेश पिता झम्मु जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.560 की भूमि	ख.596 की भूमि	ख.593/1 की भूमि	ख.600 की भूमि	-	-	-	-
91	596	भूमिस्वामी	कृषि	1.15	लखनादौन सिवनी अनीता यादव पति बिष्णु प्रसाद यादव जाति अहीर पता मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.595 की भूमि	ख.597/2/1 की भूमि	ख.593/2 की भूमि	ख.599 की भूमि	बबूल	2	-	-
92	597/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.02	सुरज नाबालिग पिता संतुलाल संरक्षक संतुलाल जाति दर्जी पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनीमध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.598/2 की भूमि	ख.617 की भूमि	ख.597/1 की भूमि	ख.601/2 की भूमि	-	-	-	-
93	598/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.33		ख.596 की भूमि	ख.597/4 की भूमि	ख.598/1 की भूमि	ख.599 की भूमि	-	-	कक्का कुआ 1	व्यास 7मी गहराई4मी
94	597/3	भूमिस्वामी	कृषि	1.10	राकेश हरजीत संगु पिता रामदयाल जाति अहीर पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	ख.597/1 की भूमि	ख.617/1 की भूमि	ख.619/2 की भूमि	ख.597/1 की भूमि	छिवला, बबूल	6,4	पक्का कुआ 1 बोर	व्यास 8.20 मी गहराई 7मी चौ 6इंच के सिंग 4मी गहराई90मी
95	619/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.20		ख.619/2 की भूमि	ख.617/1 की भूमि	ख.618 की भूमि	ख.597/3 की भूमि	बेर,छिवला	2,2	-	-

शेष अगले पृष्ठ पर

दुनिया की शीर्ष कंपनियों को लीड कर रहे भारत के युवा: सीईओ इंडिया एआई सिंह

मध्यप्रदेश में तैयार की जाएगी 30 एआई डेटा लैब्स, युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी के ताज लेक फ्रंट में आयोजित 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026' को संबोधित करते हुए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव एवं सीईओ इंडिया एआई अभिषेक सिंह ने कहा कि हमारे देश के युवा, दुनिया की शीर्ष कंपनियों को लीड करते हैं।

- राज्य सरकार के साथ मिलकर होगा एआई की संभावनाओं पर काम

देश में एआई के क्रियान्वयन में भारत अभी तीसरे स्थान पर है। भारत सरकार ने एआई डेटा सेट्स तैयार किए हैं। अनुवाद के लिए पोर्टल 'भाषिणी' विकसित किया गया है। हम चैट जीपीटी के जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म विकसित कर रहे हैं, जिसे नेशनल एआई समिट से पहले फरवरी में लॉन्च किया जाएगा। स्किल्ड यूथ तैयार करने के लिए एआई से संबंधित रिसर्च फैलोशिप शुरू की गई है। देश में एआई डेटा लैब्स बनाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में इस प्रकार के 30 एआई डेटा लैब्स तैयार किए जाने हैं। यहां से लाखों युवाओं के डेटा एनालिस्ट के लिए प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। केंद्र सरकार ने 58 सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाने का निर्णय लिया है, जो इन्क्यूबेशन सेंटर की तरह कार्य करेंगे। उज्जैन के सिंहस्थ कुंभ में स्किल के हिसाब से एआई मॉडल डिप्लॉयमेंट की अपार संभावनाएं हैं।

कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने स्पेस-टेक पॉलिसी लॉन्च की।

प्रदेश सरकार ने बनाया स्पष्ट और दीर्घकालिक एआई रोडमैप

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक स्पष्ट और दीर्घकालिक एआई रोडमैप तैयार किया है। एआई के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य 4 प्रमुख सक्षम स्तंभों अवसंरचना, डेटा, प्रतिभा और रणनीति को सुदृढ़ कर रहा है। उन्होंने कहा कि अवसंरचना के अंतर्गत सक्षम कंप्यूटर संसाधनों, सुरक्षित व स्केलेबल डिजिटल प्लेटफॉर्म और साझा राज्य-स्तरीय एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा रहा है, जिससे सरकार के साथ स्टार्ट-अप, उद्योग और एमएसएमई भी इसका लाभ उठा सकें। दुबे ने कहा कि रणनीति मिशन-आधारित, जिम्मेदार और नैतिक एआई पर केंद्रित है, जिसमें ह्यूमन-इन-द-लूप, पारदर्शिता और पुनः उपयोग योग्य समाधानों को प्राथमिकता दी गई है। आगे की दिशा में राज्य का 5 वर्षीय एआई विजन एआई को एक परियोजना नहीं, बल्कि संस्थागत गवर्नेंस क्षमता के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित है।

मध्यप्रदेश इनोवेशन एक्सपो का हुआ शुभारंभ

कांफ्रेंस में मध्यप्रदेश इनोवेशन एक्सपो का शुभारंभ किया गया, जिसमें इंडिया एआई पेवेलियन, मध्यप्रदेश पेवेलियन, स्टार्ट-अप शोकेस शामिल रहे। एमपी पेवेलियन में प्रदेश सरकार की एआई आधारित नवाचार पहलें प्रदर्शित की गईं, जिनका उद्देश्य शासन को अधिक सटीक, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना है। राजस्व विभाग द्वारा एआई के उपयोग से फसल छवियों की वास्तविक समय गुणवत्ता जांच की जा रही है। कृषि विभाग की एक प्रणाली फसल पूर्वानुमान, फसल स्वास्थ्य निगरानी और बीमा दावा निपटान को सशक्त बना रही है। श्रम विभाग की एआई-सक्षम एलसीएमएस प्रणाली केस प्रबंधन और न्यायिक प्रक्रियाओं को स्वचालित कर रही है, जबकि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा एआई आधारित स्मार्ट पुलिसिंग के माध्यम से अपराध नियंत्रण, जांच दक्षता और नागरिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान की जा रही है। एमपी पेवेलियन ने मध्यप्रदेश को भविष्य-तैयार, डेटा-संचालित और नागरिक-केंद्रित शासन मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया।

कौशल रथ के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों तक एआई जागरूकता

कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय एआई साक्षरता कार्यक्रम पर केंद्रित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। इसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार एआई साक्षरता को विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। एआई साक्षरता मिशन से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक मूलभूत कौशल के रूप में विकसित किया जाएगा। मोबाइल एआई कंप्यूटर लैब (कौशल रथ) के माध्यम से यह पहल सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, आईटीआई, शिक्षकों और शासकीय अधिकारियों तक एआई जागरूकता एवं प्रारंभिक प्रशिक्षण पहुंचा कर, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल अंतर को कम करेगी।

पिछले पृष्ठ का शेष

स. क्र.	सर्वेक्षण क्रमांक	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्र. हे. में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाएं				वृक्ष		संरचना	
						उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	प्रगति किस्म	संख्या	प्रकार	प्लिथ एरिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
96	599	भूमिस्वामी	कृषि	0.68	ललितकुमार पिता दिनेशकुमार जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं. 600 की भूमि	खं.601/2 की भूमि	खं.596 की भूमि	खं.601/2 की भूमि	-	-	-	-
97	601/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.43		खं.553/1 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.601/2 की भूमि	खं.602 की भूमि	छिवला	7	-	-
98	601/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.43		खं.600 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.599 की भूमि	खं.601/1 की भूमि	-	-	-	-
99	607	भूमिस्वामी	कृषि	2.07		खं.604/2 की भूमि	ग्राम सीमा सुरहई	खं.608 की भूमि	खं.547 की भूमि	बेर	6	-	-
100	600	भूमिस्वामी	कृषि	0.73	मुन्नुलाल पिता धरमु जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.559 की भूमि	खं.601/2 की भूमि	खं.595 की भूमि	खं.553/1 की भूमि	-	-	-	-
101	601/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.22	दिनेश पिता झम्मू जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.553/1 की भूमि	खं.517/1 की भूमि	खं.599 की भूमि	खं.602 की भूमि	-	-	-	-
102	602	भूमिस्वामी	कृषि	0.83	सुखदीन पिता खितुवा, खुमान पिता खितुवा, जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.553/1 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.601/1 की भूमि	खं.603/1 की भूमि	बबूल,हडुआ,कन्जई	4,1,1,	-	-
103	603/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	वचन पिता खितुवा जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.603/2 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.602 की भूमि	खं.547 की भूमि	-	-	-	-
104	605	भूमिस्वामी	कृषि	1.09		खं.617/1 की भूमि	खं.608 की भूमि	खं.609 की भूमि	खं.606/2 की भूमि	बबूल,बेर,हडुआ आम	4,4,1 1	-	-
105	603/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.71	खुमान पिता खितुवा जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.553 की भूमि	खं.603/1 की भूमि	खं.602 की भूमि	खं.547 की भूमि	-	-	-	-
106	604/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.22	बिष्णु प्रसाद यादव पिता झम्मु जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.617/1 की भूमि	खं.604/2 की भूमि	खं.605 की भूमि	खं.547 की भूमि	बबूल,बेर,	3,2	-	-
107	606/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.35		खं.605 की भूमि	खं.607 की भूमि	खं.606/1 की भूमि	खं.604/1 की भूमि	बबूल,बेर	1,1	-	-
108	612/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.25		खं.611 की भूमि	ग्राम सीम सुरहई	खं.553/1 की भूमि	खं.608 की भूमि	-	-	-	-
109	604/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.23	बाबूलाल पिता दशरू जाति अहीर पता सिवनी मध्यप्रदेश सिरमंगनी लखनादौन भूमिस्वामी	खं.604/1 की भूमि	खं.607 की भूमि	खं.606/1 की भूमि	खं.547 की भूमि	-	-	-	-
110	606/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.35		खं.605 की भूमि	खं.607 की भूमि	खं.605 की भूमि	खं.606/1 की भूमि	बबूल	1	-	-
111	612/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.25		खं.611 की भूमि	ग्राम सीमा सुरहई	खं.611 की भूमि	खं.612/1 की भूमि	-	-	-	-
112	608	भूमिस्वामी	कृषि	0.63	शिवकुमार पिता कलंदर जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.605 की भूमि	खं.611 की भूमि	खं.607 की भूमि	ग्राम सीमा सुरहई	-	-	-	-
113	610	भूमिस्वामी	कृषि	0.41	सँगीतकुमार नाबालिग पिता रामदयाल संरक्षक रामदयाल आ. फुलुवा जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.617/1 की भूमि	खं.611 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.609 की भूमि	-	-	-	-
114	611	भूमिस्वामी	कृषि	0.91	रामफल पिता तुलाराम जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.610 की भूमि	खं.613 की भूमि	खं.614/3 की भूमि	खं.608 की भूमि	बबूल	1	-	-
115	614/2/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.53		खं.614 /2/1 की भूमि	खं.614/ 13 की भूमि	खं.611/ 1 की भूमि	खं.613 की भूमि	-	-	-	-
116	613	भूमिस्वामी	कृषि	1.13	रामदयाल पिता फुलुवा, फुलुवा पिता काशी जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.611 की भूमि	खं.614/ 2/1 की भूमि	खं.614/ 3 की भूमि	खं.612/ 2 की भूमि	-	-	-	-
117	614.1	भूमिस्वामी	कृषि	0.62	रज्जू पिता जगतसिंह जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.616 की भूमि	खं.614/ 5 की भूमि	खं.614/ 4 की भूमि	खं.614/ 2/3 की भूमि	बबूल,बेर,हडुआ, छिवला,आम,जामुन	12,13, 3,4,1,1	-	-
118	614/2 /1	भूमिस्वामी	कृषि	0.54	भुरा पिता तुलाराम, जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.614/ 2/2 की भूमि	खं.614/ 1/5 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.613 की भूमि	-	-	कच्चा कुआ1	व्यास 8 मी गहराई 3मी
119	614/2 /3	भूमिस्वामी	कृषि	0.53	दुजियाबाई बेवा किशन, विजय पिता किशन, तोफन पिता किशन, जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.614/ 3 की भूमि	खं.614/ 5 की भूमि	खं.614/ 1 की भूमि	खं.613 की भूमि	बबूल,महुआ,आम	2,1,1	कच्चा मकान1 बोर	लं 4.4 मीX चौ 11मी चौ 6मी केसिंग 4मी गहराई 90मी
120	614/3	भूमिस्वामी	कृषि	1.67	रामदयाल पिता फुलुवा जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.617 /1 की भूमि	खं.614/ 2/1 की भूमि	खं.617/ 1 की भूमि	खं.611 की भूमि	-	-	बोर	चौ 6 इंच केसिंग 3मी गहराई 90मी
121	614/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.63	गोविन्द पिता जगतसिंह जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.616 की भूमि	खं.614/ 6 की भूमि	खं.614 की भूमि	खं.614/ 1 की भूमि	-	-	कच्चा कुआ	व्या 6मी गहराई 3मी
122	614/5	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	संदीप पिता वीरेन्द्र सिंघई जाति जैन पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.614/ 1 की भूमि	ग्राम सीमा सुरहई	खं.614/ 1 की भूमि	खं.614/ 2/3 की भूमि	-	-	-	-
123	614/6	भूमिस्वामी	कृषि	0.02		खं.614/ 4 की भूमि	ग्राम सीमा सुरहई	खं.616 की भूमि	खं.614/ 4 की भूमि	-	-	-	-

स. क्र.	सर्वेक्षण क्रमांक	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्र. हे. में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाएं				वृक्ष		संरचना	
						उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	प्रगति किस्म	संख्या	प्रकार	प्लिथ एरिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
124	617/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	देवीप्रसाद जमना केसर पिता रूपसिह जाति अहीर पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.642 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.617/2 की भूमि	बेर	7	-	-
125	642	भूमिस्वामी	कृषि	0.03		खं.624 की भूमि	खं.617/3 की भूमि	खं.640 की भूमि	खं.623 की भूमि	बेर	7	-	-
126	617/1	भूमिस्वामी	कृषि	1.27	यशोदा बेवा बद्रीप्रसाद, सौरभ पिता बद्रीप्रसाद, सोनल पिता बद्रीप्रसाद, सुधीर पिता ओमकारप्रसाद, अनीता पिता ज्ञानीप्रसाद, अमितकुमार पिता ओमकारप्रसाद, गुलाबसिंह पिता जानकीप्रसाद, पार्वती पिता ज्ञानीप्रसाद, प्रेमलता पिता ज्ञानीप्रसाद, बलराम उर्फ बलदेवप्रसाद पिता जानकीप्रसाद, सीमा पिता ज्ञानीप्रसाद, शकुनबाई पिता जानकीप्रसाद, वंदना पिता ज्ञानीप्रसाद, रामकुमारी बेवा ज्ञानीप्रसाद, भूपेन्द्र पिता ज्ञानीप्रसाद, जाति अहीर पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.603/1 की भूमि	खं.644/4 की भूमि	खं.623 की भूमि	खं.614/3 की भूमि	बबूल,हडुआ, छिवला,बेर,खैर महानीम,नीम, पीपल,इमली	8,1,4, 7,1,1, 1,1,1,	-	-
127	617/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	रामसनेही दर्शनलाल पिता लालसिंह फँटियाबाई बेवा लालसिह जाति अहीर पता कसई सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.623 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.617/3 की भूमि	खं.617/1 की भूमि			-	-
128	623	भूमिस्वामी	कृषि	0.65		खं.622 की भूमि	खं.617/2 की भूमि	खं.642 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	-	-	-	-
129	619/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.16	वृन्दावन लाखन सिंह पिता फुलवा जाति दरजी पता लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.591 की भूमि	खं.619 की भूमि	खं.619/1 की भूमि	खं.597/1 की भूमि	-	-	-	-
130	619/4	भूमिस्वामी	कृषि	0.51	सिब्बी पत्नी लालसिग जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.591 की भूमि	खं.617/1 की भूमि	खं.620 की भूमि	खं.597/3 की भूमि	-	-	पक्का कुआ 1	व्यास 12मी. गहराई 6मी
131	620	भूमिस्वामी	कृषि	0.02	संतोषकुमार विजयकुमार पिता लालसिह जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.590 की भूमि	खं.618 की भूमि	खं.621 की भूमि	खं.519/1 की भूमि	-	-	-	-
132	621	भूमिस्वामी	कृषि	0.20	राजेशकुमार पिता खिलानसिंह जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.627 की भूमि	खं.623 की भूमि	खं.626/1 की भूमि	खं.620 की भूमि	-	-	बोर 1	चौ 6इंच केसिंग 9मी गहराई 150मी
133	643/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.02	अमानसिह पिता सीताराम, जाति अहीर, पता सिरमंगनी लखनादौन सिवनी मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.617/1 की भूमि	ग्राम सीमा सुरहई	खं.644/1 की भूमि	खं.615 की भूमि	-	-	-	-
134	615	भूमिस्वामी	कृषि	-	शशिबाई पत्नि ओमप्रकाश जाति अहीर पता सिरमंगनी लखनादौन मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.616 की भूमि	ग्राम सीमा पथरिया	खं.643 की भूमि	खं.616 की भूमि	-	-	कच्चा मकान 1 गोवर गैस संयत्र1	लं8.65मी चौ 13.17 मी. व्यास 1.5 मी
135	564/1	भूमिस्वामी	कृषि	-	गजेन्द्र कुमार पिता राम प्रसाद जाति ब्राम्हण पता सिरमंगनी लखनादौन मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	खं.565 की भूमि	खं.564/2 की भूमि	खं.567/1 की भूमि	खं.564/3 की भूमि	-	-	पक्का मकान 1	लं8.6.75 5मी चौ 3.55 मी.
	कुल योग			95.71						वृक्ष 546		तालाब -1 कच्चा मकान - 6 कच्चा कुंआ-7 पक्का मकान -1 बोर - 6 पक्का कुंआ -4	

1. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी लखनादौन जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है ।
2. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय कार्यपालन यंत्री पेंच व्यपवर्तन बांध जल संसाधन संभाग क्रमांक 1 चौरई जिला छिंदवाड़ा के कार्यालय में किया जा सकता है ।
3. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित भूमि के सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण जिसके लिये भूमि की आवश्यकता शेर सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के ड्रव क्षेत्र स्पिल एवं प्रपोच चैनल निर्माण कार्य हेतु निजी भूमि के अर्जन के संबंध में ।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(बिशन सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं
भू-अर्जन अधिकारी लखनादौन

पृष्ठा.क./ 94 / भू-अर्जन / 2026

(शीतला पटले)
कलेक्टर सिवनी एवं प्रदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग - जिला सिवनी (म.प्र.)
सिवनी,
दिनांक 8/1/2025

G-24378/25

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

चिंतन

लोक कल्याण की राजनीति और कुशल प्रबंधन की जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों के नतीजे केवल स्थानीय सत्ता संतुलन का संकेत नहीं हैं, बल्कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी स्पष्ट करते हैं। खासतौर पर मुंबई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत ने यह संदेश दिया है कि लोक कल्याणकारी नीतियों के साथ-साथ सशक्त आंतरिक प्रबंधन और संगठनात्मक अनुशासन आज की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह जीत भाजपा के लिए केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि उसकी रणनीति, नेतृत्व और जनविश्वास की पुष्टि है। लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। महाराष्ट्र में कुल 29 नगर निगमों के चुनावों में से 23 कॉरपोरेशनों में भाजपा-महायुति को स्पष्ट बहुमत मिला है। वहीं, मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में भाजपा+शिवसेना (शिंदे) अलायंस कुल 227 सीटों में से 118 सीटें मिलती दिख रही हैं। बिहार के बाद महाराष्ट्र की जनता ने भी स्पष्ट संदेश दिया है कि एनडीए और भाजपा का नेतृत्व ही देश को सही दिशा दे रहा है। इस जीत ने दिखा दिया कि भाजपा की नीतियों, कार्यशैली और निर्णायक नेतृत्व पर देश की जनता का अटूट विश्वास है। लोगों को जनकल्याण और विकास ही चाहिए। अब वे परिवारवाद और खाली बयानबाजी करने वालों के झांसे में नहीं आने वाले। इस जीत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के कद को भी बढ़ा दिया है। यह परिणाम कांग्रेस, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और शरद पवार के लिए एक ओर खतरे की घंटी है, वहीं पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के नतीजों ने पवार पावर को लेकर स्पष्ट राजनीतिक संदेश दिया है। जिस पवार ब्रांड को कभी सत्ता के इन शहरी केंद्रों में अजेय माना जाता था, वह अब अकेले जीत की गारंटी नहीं रह गया है। इस बार यहां शरद पवार और अजीत पवार की अगुआई वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के रणनीतिक तालमेल के बावजूद वोटरों ने तगड़ा झटका दे दिया है। दूसरी तरफ, करीब 20 साल बाद करीब आए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की जोड़ी भी कुछ खास दम नहीं दिखा पाई। चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि ठाकरे बंधुओं की जोड़ी जनता को भरोसे में नहीं ले सकी, यानी यह प्रयोग राजनीतिक तौर पर असफल रहा। भाजपा और उसके सहयोगियों का आगे रहना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने शहरी मतदाताओं की नब्ज को अच्छी तरह समझा। मुंबई, नागपुर और पुणे जैसे बड़े महानगरों में भारी बढ़त ने यह दिखा दिया कि भाजपा की पकड़ केवल ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि महानगरीय मतदाता भी उसकी नीतियों से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। इन शहरों में बुनियादी सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं और प्रशासनिक सुधारों ने मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला। बता दें कि महाराष्ट्र नगर निगम में 1997 से 2022 तक शिवसेना का वर्चस्व रहा और उसके 12 मेयर रहे। अब चार साल बाद चुनाव हो रहे हैं और भाजपा पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने जा रही है। एशिया की सबसे बड़ी मुंबई नगरपालिका का 74000 करोड़ का बजट देश के कई राज्यों के बजट से भी ज्यादा है। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज की राजनीति में लोक कल्याण, सुशासन और कुशल संगठनात्मक प्रबंधन सबसे बड़े हथियार हैं। भाजपा की जीत केवल विरोधियों की कमजोरी का परिणाम नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक मजबूती और जनविश्वास की देन है।

ईरान बनाम अमेरिका

डॉ. घनश्याम बादल

विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है, जहां से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं, शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की हठधर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियां, उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है।

ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन अब केवल आर्थिक शिकायतों तक सीमित नहीं हैं। महंगाई, बेरोज़गारी और गिरती जीवन-स्तर की पीड़ा ने जिस असंतोष को जन्म दिया है, ईरान में जिस गति से महंगाई बढ़ी है, उससे वहां के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ईरानी मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले रसातल में जा चुकी है। अब तो विद्रोहियों के समर्थन में उमड़ता हुआ जन सैलाब सीधे-सीधे शासन व्यवस्था की वैधता पर सवाल बन चुका है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद यह पहली बार है, जब ईरान का धर्मतंत्र जनता के इतने बड़े हिस्से से वैचारिक रूप से कटता हुआ दिखाई देता है। महिलाओं, युवाओं, छात्रों और शहरी मध्यम वर्ग की भागीदारी ने इन प्रदर्शनों को साधारण विरोध से कहीं आगे पहुंचा दिया है और एक तरह से सीरिया जैसे हालातों की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। जहां सरकार विरोधी विद्रोही हिंसा एवं आगजनी पर उतरे हुए हैं तथा सरकार के तख्त पलट के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। वहीं सरकार की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर से कठोरता होती जा रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट, सामूहिक गिरफ्तारियां, सुरक्षा बलों की गोलीबारी और मृत्युदंड ये सब संकेत देते हैं कि ईरान में खामनेई सत्ता पर किसी भी कीमत पर नियंत्रण छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

हालांकि ईरानी नेतृत्व इसे विदेशी साजिश करार देता है, लेकिन यह तर्क अब घरेलू स्तर पर भी असर खोता जा रहा है। सवाल यह नहीं कि विरोध क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था उन्हें लंबे समय तक दबा पाएगी? आंतरिक उथल-पुथल के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर ख़तरनाक ऊंचाई पर पहुंच गया है। अमेरिका मानवाधिकार उल्लंघनों और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आधार बनाकर लगातार दबाव बना रहा है। प्रतिबंधों का नया दौर, सैन्य चेतावनियां और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नौसैनिक तैनाती इस बात का संकेत हैं कि वाशिंगटन 'देखो और इंतजार करो' की नीति से आगे बढ़ने का विकल्प खुला रखे हुए है। हालांकि, यह समझना ज़रूरी है कि अमेरिका भी पूर्ण युद्ध नहीं चाहता। इसकी वजह वाशिंगटन की उदारता या शांतिप्रियता नहीं, अपितु यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच एक और

बड़े युद्ध का बोझ उठाना वाशिंगटन के लिए आसान नहीं होगा। यही कारण है कि अमेरिका की रणनीति फिलहाल सीमित सैन्य कार्रवाई, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक धमकियों तक सिमटी दिखती है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध अक्सर योजनाओं से नहीं, दुर्घटनाओं से शुरू होते हैं। यह तो तय है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो उसके प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। ईरान के लिए इसका अर्थ होगा-तेल रिफाइनरियों, सैन्य ठिकानों और परमाणु संयंत्रों पर हमले, अर्थव्यवस्था का लगभग ठप हो जाना और संभवतः गृहयुद्ध जैसी स्थिति। बेशक सबसे भारी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी, जिनके लिए शांति पहले ही दुर्लभ हो चुकी है। अमेरिका के लिए यह युद्ध सैन्य रूप से भले ही नियंत्रित रहे, लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक रूप से महंगा साबित होगा।

मध्य-पूर्व में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे प्रतिशोध के निशाने पर होंगे। घरेलू स्तर पर युद्ध-विरोधी माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की 'नैतिक नेतृत्व' वाली छवि को और भी ज्यादा झटका लगेगा। इससे भी अहम बात यह है कि अमेरिका का ध्यान एशिया-प्रशांत क्षेत्र से हटेगा, जो उसके दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के विपरीत है। वैश्विक स्तर पर इसका सबसे तात्कालिक असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जरा-सी अस्थिरता भी तेल की कीमतों को 120–150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा सकती है। इसका सीधा अर्थ है -वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और विकासशील देशों पर असहनीय दबाव। यूरोप, जो पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, सबसे अधिक प्रभावित होगा। इस परिदृश्य में चीन और रूस की भूमिका भी समझना ज़रूरी है। दोनों ही देश ईरान के संकट को अपने-अपने रणनीतिक लाभ के रूप में देख रहे हैं। चीन अमेरिका को मध्य-पूर्व में उलझा देखना चाहता है ताकि एशिया में उसकी पकड़ ढीली पड़े। रूस के लिए यह पश्चिमी एकता को कमजोर करने और ऊर्जा कीमतों से लाभ उठाने का अवसर है, लेकिन चीन या रूस कोई भी ईरान के लिए अमेरिका से सीधा युद्ध लड़ने को तैयार नहीं है।

ईरान उनके लिए साझेदार कम, रणनीतिक साधन अधिक है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का सबब है। तेल आयात पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगाई का सीधा असर पड़ेगा। रुपये पर दबाव बढ़ेगा, शेयर बाजारों में अस्थिरता आएगी और खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा एक गंभीर प्रश्न बन जाएगी। साथ ही, ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान संपर्क जैसी रणनीतिक परियोजनाएं भी प्रभावित होंगी। हालांकि, संकट के बीच अवसर भी छिपे होते हैं। भारत की संतुलित और स्वायत्त विदेश नीति उसे एक संभावित मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि भारत किसी भी खेमे में खड़ा होने की जल्दबाज़ी न करे।

अस्तु,, ईरान का संकट केवल एक देश की संप्रभुता एवं संकट की कहानी नहीं, उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है, जहां दमन, असमानता और शक्ति-राजनीति मिलकर अस्थिरता को जन्म देती हैं। युद्ध शायद अभी टल सकता है, लेकिन उसके बीज बोए जा चुके हैं। सवाल यह नहीं कि दुनिया इस आग को देख रही है या नहीं, सवाल यह है कि क्या वह इसे फैलने से रोकने के लिए समय रहते कुछ करेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विश्व पुस्तक मेला

श्वेता गोयल

रील्स के दौर में रीयल किताबें ही हैं शब्दों का सच्चा संसार

नई दिल्ली के हृदय स्थल भारत मंडपम में इन दिनों हवाओं में एक अलग ही सुगंध घुली हुई है। यह सुगंध किसी इत्र की नहीं, बल्कि पुरानी और नई किताबों के पन्नों, स्याही के अक्षरों और मानवीय मेधा के असीमित विस्तार की है। 10 से 18 जनवरी तक चलने वाला 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला केवल एक व्यावसायिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय मेधा और वैश्विक संस्कृति के मिलन का एक विराट अनुष्ठान है। पुस्तकें वह सेतु हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं और सभ्यताओं की स्मृतियों को जीवंत रखती हैं। डिजिटल क्रांति के इस प्रचंड वेग के बीच, जहां स्क्रीन की कृत्रिम रोशनी हमारी आंखों को थकान दे रही है, वहां कागज के पन्नों पर अंकित शब्द एक शीतल छांव की तरह प्रतीत होते हैं। इस वर्ष के मेले की आत्मा 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' की थीम में रची-बसी है। यह विषय केवल युद्धों का लेखा-जोखा नहीं है बल्कि उस साहस और बुद्धिमत्ता का वंदन है, जिसने स्वतंत्र भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा है। हॉल नंबर 5 में निर्मित थीम पवेलियन एक ऐसा गलियारा है, जो आगंतुकों को काल-यात्रा पर ले जाता है। यहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियों के बीच जब पाठक 21 परमवीर चक्र विजेताओं की गाथाओं से रूबरू होते हैं तो साहित्य और राष्ट्रभक्ति का एक अनूठा संगम निर्मित होता है। सैन्य इतिहास पर प्रदर्शित पांच सौ से अधिक पुस्तकें यह सिद्ध करती हैं कि तलवार की धार और कलम की शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। शौर्य जब शब्दों में ढलता है तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बन जाता है। मेले का यह संस्करण कई मायनों में ऐतिहासिक है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) और आईटीपीओ के सहयोग से आयोजित इस मेले में पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। यह निर्णय इस बात का परिचायक है कि ज्ञान पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए और जिज्ञासा की राह में अर्थ की बाधा नहीं आनी चाहिए। 'किताबों की दुनिया में कदम रखने के लिए अब जेब नहीं, बस जिज्ञासा चाहिए' का यह मंत्र भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशकों की उपस्थिति इस मेले को एक वैश्विक मंच प्रदान करती है, जहां कतर 'गेस्ट ऑफ ऑनर' और स्पेन 'फोकस कंट्री' के रूप में अपनी सांस्कृतिक विरासत साझा कर रहे हैं। आज के दौर में एक विमर्श अक्सर सुनाई देता है कि 'जेन-जी' यानी नई पीढ़ी किताबों से दूर होकर स्मार्टफोन्स की दुनिया में खो गई है, किंतु भारत मंडपम के गलियारों में उमड़ती युवाओं की भीड़ इस धारणा को सिरे से खारिज करती है।

तकनीक के शोर में पले-बढ़े ये युवा पिक्सल्स के बजाय पन्नों में अपना भविष्य तलाशते दिख रहे हैं। कतर पवेलियन में हवा में तैरते अक्षरों की जादुई दुनिया को निहारते हुए या रस्साकसी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों की पुस्तकों में अपनी जड़ों को खोजते हुए ये युवा यह प्रमाणित कर रहे हैं कि डिजिटल चमक क्षणिक हो सकती है लेकिन शब्दों की गहराई शाश्वत है। युवाओं का यात्रा वृत्तांतों, क्लासिक साहित्य और अपराध गाथाओं के प्रति यह आकर्षण दर्शाता है कि मानवीय संवेदनाएं आज भी एक अच्छी कहानी की तलाश में रहती हैं। शिक्षा मंत्री ने डिजिटल समय में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की जिस प्राथमिकता का उल्लेख किया, वह 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय' के रूप में साकार होती दिख रही है। 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध छह हजार से अधिक मुफ्त ई-पुस्तकें यह सुनिश्चित करती हैं कि भाषा अब ज्ञान के मार्ग में अवरोध नहीं बल्कि एक सेतु बने। टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाओं के साथ यह समावेशी प्रयास उन लोगों तक भी साहित्य पहुंचा रहा है, जो शारीरिक सीमाओं के कारण अब तक इससे वंचित थे। यह तकनीकी प्रगति और पठन संस्कृति का वह संतुलन है, जिसकी आज के युग को सर्वाधिक आवश्यकता है। मेले का एक और भावुक पक्ष 'अनसुने नायकों' को दी गई श्रद्धांजलि है। 'द सागा ऑफ कुडोपलीः द अनसंग स्टोरी ऑफ 1857' जैसी पुस्तकों का विमोचन यह संदेश देता है कि इतिहास केवल राजाओं और महलों का नहीं होता बल्कि उन साधारण लोगों का भी होता है, जिन्होंने असाधारण बलिदान दिए। किताबों के पन्ने पलटते बुजुर्गों की मुस्कुराहट और युवाओं की आंखों में उमड़ती जिज्ञासा यह साफ कर देती है कि पठन संस्कृति का यह महाकुंभ आने वाले समय में एक शिक्षित और जागरूक समाज की आधारशिला बनेगा। यह मेला एक आह्वान है पुस्तकों की ओर लौटने का, विचारों को विस्तार देने का और शब्दों की इस अनंत यात्रा का हिस्सा बनने का।

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदल रहे

संकलित

दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

भरे गिलास से मंदिर की परिक्रमा

संकलित

प्रेरणा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी, एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा, अब मैं मंदिर नही आया करूँगी। इस पर पुजारी ने पूछा क्यो? तब महिला बोलीः मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं कुछ ने तो मंदिर को ही गपसप करने का स्थान चुन रखा है, कुछ पूजा कम पाखंड ज्यादा करते हैं। इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे फिर कहाः सही है! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले आप मेरे कहने से कुछ कर सकती है। महिला बोलीः आप बताइए क्या करना है। पुजारी ने कहाः एक गिलास पानी से भरकर लीजिए औऱ 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नही चाहिए। महिला बोलीः में ऐसा कर सकती हूँ फिर थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछेः

1) क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? 2) क्या आपने किसी को मंदिर मे गपसप करते देखा? 3) क्या किसी को पाखंड करते देखा?

महिला बोलीः नही मैंने कुछ भी नही देखा। फिर पुजारी बोलेः जब आप परिक्रमा लगा रही थी तो आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इस में से पानी न गिर जाए इसलिए आपको कुछ दिखाई नही दिया। अब जब भी आप मंदिर आए तो सिर्फ अपना ध्यान परम पिता परमात्मा में ही लगाना फिर आपको कुछ दिखाई ही नही देगा। सिर्फ भगवान ही सर्ववृत दिखाई देगा, जब ऐसा होगा तो स्वयं ही कल्पना कर लीजिएगा।

अंतर्मन

आज की पाती

स्वतंत्रता का अनुचित प्रयोग

कुछ कथित उच्च शिक्षित, जाहिल, गंवार लोग जब सार्वजनिक रूप से (विशेषकर सोशल मीडिया पर) सड़कछाप व्यवहार करने लगते हैं तो ऐसे मूर्ख लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उसी क्षण खत्म हो जाती है। कला और विचार प्रकट करने की आजादी के नाम पर किसी को भी देश, समाज में अश्लीलता फैलाने के उपद्रव को दुनिया का कोई भी सभ्य-सुसंस्कृत संविधान कभी कोई स्वतन्त्रता प्रदान नहीं करता। ऐसे सर्वथा अवांछित, अप्रिय, समाज विरोधी कार्य करने वालों का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन करने वाले सभी आधुनिक मनोरोगी भी उतने ही बड़े अपराधी माने जाने चाहिए। सिर्फ मजाक के नाम पर ही नहीं, कई बार गंभीर मुद्दा में प्रदर्शन करते हुए भी कुछ पॉडकास्ट पर दुर्जन लोग गंदी, अश्लील, अभद्र, अशोभनीय बातें करते हैं। आजादी का अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए। - रमेश यदु, रायगढ़

करंट अफेयर

ताकतवर देशों को सुधार के लिए आगे रहना चाहिए : संरा

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देशों को सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए सबसे आगे रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करेंगे, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। संरा महासचिव गुतारेस ने बृहस्पतिवार को 193 सदस्यीय महासभा में 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर अपने भाषण में कहा, ''ऐसी संस्थाओं में सुधार होना चाहिए जो आज की दुनिया को दर्शाती हों। 1945 के समस्या समाधान के तरीकों से 2026 की समस्याओं का हल नहीं निकलेगा। अगर ढांचे हमारे समय, हमारी दुनिया, हमारी वास्तविकताओं को नहीं दिखाते हैं तो वे अपनी पहचान खो देंगे।'' उन्होंने समकालिक वास्तविकताओं को दिखाने के लिए वैश्विक संस्था में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक जीडीपी में हिस्सा हर दिन थोड़ा-थोड़ा कम हो रहा है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आकार, ताकत और असर बढ़ रहा है। गुतारेस ने कहा, जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करते हैं, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ऑफ बीट

आसमानी बिजली के अलग-अलग रूप

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह (आसमानी बिजली) मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। बिजली तब उत्पन्न होती है जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण आपस में टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने (संवहन) के कारण होता है। जब आवेश अत्यधिक बढ़ जाता है, तो बिजली हवा के माध्यम से प्रवाहित होती है, जिसे हम चमक के रूप में देखते हैं। हम बिजली की चमक तुरंत देख लेते हैं, लेकिन गरज की आवाज बाद में आती है। आवाज़ को एक किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग तीन सेकंड लगते हैं। चमक और गरज के बीच का समय देखकर बिजली की दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे, बिजली सिर्फ पृथ्वी पर ही नहीं पाई जाती; वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह पर भी इसे देखा है।

ट्रेंड

गठबंधन की प्रचंड जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की प्रचंड जीत यह बताती है कि जनता का विश्वास सिर्फ एनडीए की विकास नीति पर है। यह ऐतिहासिक सफलता, महायुति सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

स्टार्टअप इंडिया का दशक

स्टार्टअप इंडिया ने एक दशक पूरा कर लिया है और यह भारत के विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित इस पहल ने डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को सशक्त बनाया है, 21 लाख रोजगार सृजित किए हैं।

- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

विकास की राजनीति

महाराष्ट्र की सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की जनता ने स्थिर नेतृत्व, सुशासन और विकास की राजनीति पर अपना भरोसा जताया है।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

ज़ुल्म और अत्याचार

भाजपा अपने संगी-साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये ज़ुल्म और अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

आधुनिक प्रौद्योगिकी अपना रही सेना

जोखिम भरे अभियानों में मिलेगा फायर फाइटिंग रोबोट का साथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना लगातार आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपना रही है। अब इसी दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया गया है। सेना अग्निशमन के कार्यों में भी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करेगी और रोबोट इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सेना द्वारा खरीदे जाने वाले ये रोबोट फायर फाइटिंग रोबोट कहलाते हैं और ये अग्निशमन के कार्य में माहिर हैं। दरअसल, यह फायर फाइटिंग रोबोट एक कॉम्पैक्ट, बहुउपयोगी और मानव रहित ग्राउंड व्हीकल है। इसे अत्यधिक जोखिमपूर्ण और खतरनाक अग्निशमन परिस्थितियों में संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। यह ऐसी परिस्थितियों में सफलतापूर्वक काम करता है, जहां मानव हस्तक्षेप जोखिमपूर्ण होता है। यह रोबोट सुरक्षित दूरी से अग्निशमन कार्यों को अंजाम देने में सक्षम है। इससे आपातकालीन और संकटपूर्ण परिस्थितियों में भारतीय सेना के अग्निशमन कर्मियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

यह रोबोट सुरक्षित दूरी से अग्निशमन कार्यों को अंजाम देने में सक्षम है। इससे आपातकालीन और संकटपूर्ण परिस्थितियों में भारतीय सेना के अग्निशमन कर्मियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी

खतरनाक अग्निशमन परिस्थितियों में कुशलता से करेगा काम

सैन्य कर्मियों की सुरक्षा बढ़ाते हुए मिशनों में सहायता करेगा

महत्वपूर्ण खरीदी के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

फायर फाइटिंग रोबोट

भारतीय सेना ने इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स) के अंतर्गत फायर फाइटिंग रोबोट की महत्वपूर्ण खरीद संबंधी अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। सेना का कहना है कि यह कदम आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। भारतीय सेना के मुताबिक फायर फाइटिंग रोबोट की खरीद के लिए यह अनुबंध स्वदेशी कंपनी एम्प्रेसा प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया है।

सिंगल स्टेज ट्रायल से अपनाया

यह फायर फाइटिंग रोबोट मूल रूप से इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस ढांचे के अंतर्गत भारतीय बलों के लिए विकसित किया गया था। सक्षम प्रावधानों का उपयोग करते हुए, भारतीय सेना ने इसे पहली बार अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप अपनाने का फैसला किया है। यह खरीद सिंगल स्टेज कॉम्पोजिट ट्रायल के आधार पर की गई है। यह प्रक्रिया रक्षा सेवाओं के बीच आपसी सहयोग, संयुक्तता और तकनीकी एकीकरण को सशक्त बनाती है।

रक्षा स्टार्ट-अप समुदाय में सराहा

सेना का मानना है कि यह पहल रक्षा स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती प्रदान करती है। डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन के अंतर्गत संचालित इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस, सशस्त्र बलों और स्टार्ट-अप्स व नवोन्मेषकों के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। रक्षा स्टार्ट-अप समुदाय में इसे व्यापक सराहना मिली है।

22 आईडेक्स प्रोजेक्ट पर परीक्षण जारी

भारतीय सेना अपने पहले से वितरित आईडेक्स प्रोजेक्ट्स के स्पाइरल डेवलपमेंट पर कार्य कर रही है। फिलहाल लगभग 22 आईडेक्स परियोजनाएं प्रोटोटाइप प्रोजेक्ट पूर्ण होने के बाद परीक्षण चरण की ओर अग्रसर हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि फायर फाइटिंग रोबोट को लेकर किया गया यह अनुबंध न केवल स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देता है, बल्कि भविष्य के लिए एक सुरक्षित, आधुनिक और नवाचार-आधारित भारतीय सेना के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

खबर संक्षेप

अमेरिका के ओरेगॉन में 6.2 तीव्रता का भूकंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओरेगॉन इलाके के तटीय क्षेत्र में गुरुवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 6.2 रही। हालांकि इसमें अभी किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर द्वारा अभी तक सुनामी को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है।

पूर्व राष्ट्रपति यून को पांच साल कैद की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा मार्शल लॉ लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। इन आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

18वां इंडिया-जापान रणनीतिक डायलॉग

दोनों देशों का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर साथ में काम करना जरूरी

18वें इंडिया-जापान रणनीतिक डायलॉग में भारत-जापान प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत और जापान के बीच बढ़ते संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि भारत क्वाड, संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जापान के साथ मिलकर काम करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते अब केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहे, बल्कि व्यापक और रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। नई दिल्ली में आयोजित 18वें इंडिया-जापान रणनीतिक डायलॉग के दौरान जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी के साथ एस. जयशंकर ने कहा कि पिछले दो दशकों में भारत-जापान संबंधों ने नया आयाम हासिल किया है। भारत जापान के साथ अपनी दोस्ती को बहुत अधिक प्राथमिकता देता है। आज हम अंतरराष्ट्रीय फोरम पर जापान के साथ काम करने को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं, जिनमें क्वाड, संयुक्त राष्ट्र, जी4

साझा रणनीतिक लक्ष्यों पर करें काम

जयशंकर ने कहा कि इंडो-पैसिफिक को राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक ढांचे के रूप में उभारने की नींव जापान के एक पीएम ने भारतीय संसद में अपने भाषण के जरिए रखी थी। जयशंकर ने कहा कि भारत का इंडो-पैसिफिक विजन, जापान के 'फ्री और ओपन इंडो-पैसिफिक' दृष्टिकोण से काफी मेल खाता है। विदेश मंत्री ने मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत और जापान के साझा रणनीतिक लक्ष्यों पर मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम अग्रणी लोकतंत्र हैं और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। आज हमारे पास सिर्फ अवसर नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था को आकार देने की जिम्मेदारी भी है।

2027 में 75 साल पूरे होंगे राजनयिक संबंध

जयशंकर ने कहा कि भारत और जापान वर्ष 2027 में अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की 'खास, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' लगातार मजबूत होती जा रही है। विदेश मंत्री ने कहा कि जापानी विदेश मंत्री की हालिया फिलीपींस, कतर, इजराइल और फिलिस्तीन यात्रा भारत और जापान के इंडो-पैसिफिक तथा वेस्ट एशिया में साझा हितों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह ऊर्जा संचार और क्षेत्रीय स्थिरता में दोनों देशों की समान सोच को भी रेखांकित करता है।

ईरान संकट खत्म करने के लिए अब रूस ने की मध्यस्थता की पेशकश

नेतन्याहू से चर्चा कर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान को मिलाया फोन

एजेंसी ▶▶ मॉस्को/ वॉशिंगटन

4 खाड़ी देशों ने भी अमेरिका को दो दिन में दी समझाईश

ट्रंप ईरान में जमीनी स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच रूस ने कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पहले इजराइल के पीएम नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और इसके तुरंत बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से संपर्क साधा। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन क्षेत्र में तनाव घटाने और स्थिरता बहाल करने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों के पक्ष में हैं।

रूस का कहना है कि पुतिन मध्य पूर्व और ईरान से जुड़े हालात में तनाव कम करने के लिए सक्रिय रहेंगे।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि पुतिन क्षेत्रीय हालात को शांत करने की दिशा में प्रयास जारी रखेंगे। इससे पहले पुतिन ने नेतन्याहू से बातचीत में रूस की मध्यस्थता की पेशकश भी रखी और कहा कि सुरक्षा व स्थिरता के लिए राजनीतिक रास्ता ही बेहतर विकल्प है। नेतन्याहू से फोन पर बातचीत में पुतिन ने मध्य पूर्व और ईरान की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की।

क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने के पक्ष में है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी तरह के सैन्य टकराव से बचना सभी पक्षों के हित में होगा। रूस दोनों पक्षों ईरान और इजराइल से सीधे बात कर रहा है। इसका उद्देश्य संवाद के जरिए गलतफहमियां कम करना और टकराव की आशंका को घटाना है। रूस का मानना है कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सभी पक्षों को बातचीत की मेज पर लाना जरूरी है।

ईरान पर अमेरिका हमला न करे: अरब देश

इजराइल पीएम नेतन्याहू, रूसी राष्ट्रपति पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति मसूद

खाड़ी देशों सऊदी अरब, कतर, ओमान और मिस्र ने अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का रास्ता खोला है। करीब 48 घंटे की कोशिश के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर संभावित हमले को टाल दिया है। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि फिलहाल ईरान पर हमला नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान में हिंसा की घटनाएं कुछ कम हुई हैं। ये चारों देश पश्चिम एशिया में अमेरिका के सहयोगी हैं और इन देशों ने अमेरिका से अपील की है कि वे ईरान पर हमला न करें। इन देशों को आशंका है कि अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है, जिससे पूरे क्षेत्र असर पड़ सकता था। इन चारों देशों ने अमेरिका को बताया कि अगर ईरान पर हमला हुआ तो इसके गंभीर सुरक्षा और आर्थिक परिणाम होंगे। इसका असर पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा और अंत में अमेरिका भी इससे प्रभावित होगा।

न्यूजीलैंड ने बंद किया दूतावास

न्यूजीलैंड ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन, हिंसा और अमेरिका के साथ जारी तनाव के बीच अस्थायी तौर पर तेहरान में स्थित अपने दूतावास को बंद करने का फैसला किया है। साथ ही अपने वाणिज्य दूतावास को तुर्किए के अंकारा में स्थानांतरित कर दिया है। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि उसके सभी राजनयिक स्टाफ ने तेहरान छोड़ दिया है।

ईरान के एयरस्पेस से बच रहीं एयरलाइंस

ईरान ने बुधवार को कुछ घंटों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। हालांकि बाद में एयरस्पेस को फिर से खोल दिया गया। हालांकि इसके बावजूद यूरोपीय एयरलाइंस ईरान के एयरस्पेस का इस्तेमाल नहीं कर रही हैं और अफगानिस्तान और मध्य एशिया के ऊपर वाले रूट से उड़ान भर रही हैं। एयरलाइंस का मानना है कि किसी भी तरह के संभावित खतरे के लिए ऐसा करना जरूरी है।

ट्रंप प्रशासन का दावा

अमेरिकी दबाव में ईरान ने रोकी फांसी

कैरोलिन लेविट

ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि ईरान में कल होने वाली 800 फांसी की सजाओं के अमल पर रोक लग गई है। व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का अधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम ने ईरानी शासन को यह संदेश दिया है कि अगर हत्याएं जारी रहीं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि पता चला है कि शुक्रवार को होने वाली 800 फांसी की सजाएं रोक दी गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के मामले में ट्रंप के लिए 'सभी विकल्प खुले हैं।' लेविट ने कहा कि सच्चाई यह है कि केवल राष्ट्रपति ट्रंप जानते हैं कि वह क्या करने जा रहे हैं और सलाहकारों की एक बहुत, बहुत छोटी टीम को ही उनकी सोच की जानकारी है। वह ईरान में जमीनी स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते की घोषणा जल्द

गोयल बोले- यह ऐतिहासिक, देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और 27 देशों के प्रभावशाली समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बड़ा बयान दिया है। इस प्रस्तावित समझौते को ऐतिहासिक (मदर ऑफ ऑल डील्स) करार देते हुए इसका वैश्विक और घरेलू महत्व बताया। मंत्री गोयल ने भरोसा जताया कि यह समझौता न केवल ऐतिहासिक होगा, बल्कि दोनों पक्षों को एक जैसे फायदा देने वाला होगा।

भारत और 27 देशों के बीच होगी डील

यह समझौता भारत और 27 देशों के व्यापारिक ब्लॉक के बीच होगा। सरकार इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' और निर्यातकों के लिए 'सुपर डील' मान रही है। इसका उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में संतुलन और वृद्धि लाना है। वहीं, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी करने के बेहद करीब हैं। शेष बचे हुए मुद्दों को सुलझाने के लिए गहन चर्चा जारी है। इस महीने के अंत में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा के दौरान इस सौदे की औपचारिक घोषणा हो सकती है।

ईयू बड़ा व्यापारिक भागीदार

अग्रवाल ने कहा कि भारत वैश्विक व्यापारिक ढांचे में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने साल 2014 से अब तक कुल सात व्यापारिक समझौतों को अंतिम रूप दिया है, जो भारत की सक्रिय व्यापार नीति का हिस्सा हैं। यह व्यापार समझौता केवल शुल्कों में कटौती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के लिए व्यापक आर्थिक निहितार्थ रखता है। डील में भारतीय उद्यमियों और एमएसएमई को यूरोपीय संघ के मानकों के अनुरूप बाजार पहुंच मिलने की आशा है जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी।

ईडी की बड़ी कार्रवाई

अल फलाह विवि की 140 करोड़ की संपत्तियां कुर्क कीं, आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय की लगभग 140 करोड़ मूल्य की संपत्तियां शुक्रवार को कुर्क कर ली। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और उनके ट्रस्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। अल फलाह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार बम विस्फोट के बाद केंद्रीय एजेंसियों की जांच के घेरे में है।

उन्होंने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जारी एक अंतरिम आदेश के तहत फरीदाबाद के धौज क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय की 54 एकड़ भूमि, विश्वविद्यालय की इमारतों, विभिन्न स्कूलों और विभागों से संबंधित इमारतों और छात्रावासों को कुर्क कर लिया गया है। सिद्दीकी और अल फलाह ट्रस्ट के खिलाफ भी आरोप-पत्र दायर किया गया है।

'जल्लीकट्टू' शुरू, 600 खिलाड़ी अखाड़े में

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में मट्टू पोंगल के पावन अवसर पर आयोजित विश्व-प्रसिद्ध पालामेडु जल्लीकट्टू शुक्रवार सुबह शुरू हुआ। पोंगल फसल उत्सव समारोह के बीच मट्टू पोंगल पर आयोजित होने वाले पारंपरिक बैल को काबू करने वाले खेल जल्लीकट्टू के दौरान प्रतिभागी एक बैल को काबू करने की कोशिश करते हुए। इस मौके पर उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष के आयोजन के लिए कुल 1,000 बैलों और 600 टेमर (बैल काबू करने वाले) ने पंजीकरण कराया है। पालामेडु में मंजमलाई नदी के किनारे स्थित अखाड़ा पूरी तरह तैयार है।

डब्ल्यूईएफ की 'चीफ इकोनॉमिस्ट आउटलुक' सर्वे में बड़ा दावा

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत बना दुनिया का 'ग्रोथ इंजन'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की हालिया 'चीफ इकोनॉमिस्ट आउटलुक' सर्वे ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक मिश्रित तस्वीर पेश की है। इसके अनुसार, जहां एक ओर दुनिया के अधिकांश अर्थशास्त्री इस वर्ष वैश्विक आर्थिक स्थितियों के कमजोर होने की आशंका जता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर, भारत के नेतृत्व में दक्षिण एशिया दुनिया के सबसे उज्ज्वल विकास केंद्र के रूप में उभरा है। भारत में रोजगार प्रतिबंधों को कम करने जैसे श्रम कानूनों में निरंतर सुधार और अमेरिकी तकनीकी फर्मों द्वारा निवेश में बढ़ोतरी ने देश की आर्थिक स्थिति को और मजबूती दी है।

भारत में लाए गए श्रम कानूनों में सुधार से लाभ

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुरक्षित 'एंकर'

विश्व आर्थिक मंच का प्रतीक चिन्ह

यूरोप में होगा सबसे सुस्त विकास

सर्वे में शामिल लगभग 53 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आने वाले वर्ष में वैश्विक आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। इसके विपरीत, दक्षिण एशिया के लिए दृष्टिकोण काफी सकारात्मक है। सर्वे में दक्षिण एशिया की मजबूती पर दो-तिहाई अर्थशास्त्रियों ने इस क्षेत्र में 'मजबूत' (60%) या 'बेहद मजबूत' (6%) विकास की उम्मीद जताई है। यह पिछले साल सितंबर के 31 प्रतिशत के अनुमान से दोगुनी वृद्धि है। पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए 45% अर्थशास्त्रियों ने मजबूत विकास का अनुमान लगाया है, जबकि अमेरिका के लिए केवल 11% ने ही मजबूत विकास की बात कही है। यूरोप की स्थिति सबसे कमजोर है, जहां 53% अर्थशास्त्री 'सुस्त विकास' की आशंका देख रहे हैं।

क्रिप्टोकरेंसी के लिए भविष्य धुंधला

सर्वेक्षण में क्रिप्टोकरेंसी के लिए भविष्य धुंधला बताया गया है, जहां 62% विशेषज्ञों ने और गिरावट का अनुमान लगाया है। वहीं, 54% अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सोने की कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी हैं। डब्ल्यूईएफ की प्रबंध निदेशक सादिया जाहिदी के अनुसार, सरकारों और कंपनियों को इस अनिश्चित माहौल में सतर्कता और चपलता के साथ काम करना होगा। भारत जिस तरह से व्यापारिक चुनौतियों और तकनीकी बदलावों के बीच अपनी विकास दर को बरकरार रखे हुए है, वह इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक सुरक्षित 'एंकर' के रूप में स्थापित करता है।

एआई के क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा

विश्व आर्थिक मंच ने साल 2026 के लिए एआई निवेश में उछाल की बात कही है। आईटी और वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा और खुदरा क्षेत्र एआई अपनाने में सबसे आगे रहेंगे। लगभग 36% उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि एआई निवेश अगले दो वर्षों में विकास पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डालेगा। अल्पकालिक रूप से, दो-तिहाई विशेषज्ञों को अगले दो वर्षों में मामूली नौकरी के नुकसान की आशंका है। हालांकि, दीर्घकालिक (10 वर्ष) परिप्रेक्ष्य में राय बंटी हुई है।

यूएन महासचिव गुटेरेस बोले

1945 की वैश्विक संस्थाएं 2026 की बदलती दुनिया के अनुरूप नहीं रहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों की तेज आर्थिक वृद्धि की प्रवृत्ति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में सुधार की मांग करती है। गुटेरेस ने कहा कि हर दिन वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में विकसित अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घट रही है। हर दिन उभरती अर्थव्यवस्थाएं आकार, ताकत और प्रभाव में बढ़ रही हैं। हर दिन दक्षिण-दक्षिण व्यापार, उत्तर-उत्तर व्यापार से आगे निकलता जा रहा है। 1945 की वैश्विक संस्थाएं 2026 की बदलती दुनिया की चुनौतियों के अनुरूप नहीं हैं। हमारी संरचनाओं को इस बदलती दुनिया को प्रतिबिंबित करना होगा क्योंकि 1945 में जब संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थानों की स्थापना हुई थी, तब जो व्यवस्थाएं कारगर थीं, वे 2026 की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकतीं। सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की शक्ति को अपडेट करना जरूरी है।

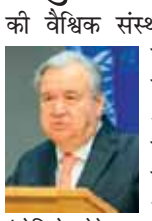

एंटोनियो गुटेरेस

सूर्य के मकर राशी में प्रवेश से ही मकर संक्रांति : ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानन्द

श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, शंकराचार्य आश्रम तिलवारा में श्रद्धा व वैदिक अनुष्ठानों के साथ मनाया गया महापर्व

हरिभूमि, जबलपुर। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही मकर संक्रांति का पावन पर्व आरंभ होता है। यह उद्गार परम पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानन्द जी महाराज ने श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, शंकराचार्य आश्रम, रमनगरा तिलवारा में मकर संक्रांति महापर्व के विशेष आयोजन के दौरान व्यक्त किए। महापर्व के अवसर पर पूज्य महाराज श्री ने प्रातःकाल मकर संक्रांति स्नान किया। इसके पश्चात भगवान महामृत्युंजय श्री नर्मदेश्वर महादेव का विधिवत महारुद्राभिषेक संपन्न हुआ। साथ ही भगवान सूर्य की विशेष आराधना करते हुए 51 हजार गुलाब पुष्पों से सहस्त्रार्चन वैदिक ब्राह्मणों द्वारा पूज्य महाराज श्री के सानिध्य में कराया गया। पूरे परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति भाव से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया।

स्वयं उनके घर जाते हैं शनिदेव

इस अवसर पर भक्तों को मकर संक्रांति के धार्मिक एवं पौराणिक महत्व की जानकारी देते हुए ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानन्द जी महाराज ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान सूर्य (भास्कर) अपने पुत्र शनिदेव से मिलने स्वयं उनके घर जाते हैं। चूँकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, इसलिए सूर्य के मकर राशि में प्रवेश को मकर संक्रांति कहा जाता है।

माँ गंगा हुई थी सागर में समाहित

महाराज श्री ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन ही मां गंगा भगीरथ के पीछे-पीछे चलते हुए कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में समाहित हुई थीं। इसी कारण इस दिन गंगास्नान तथा गंगातट पर दान-पुण्य को अत्यंत शुभ और पुण्यदायी माना गया है। तीर्थराज प्रयाग और गंगासागर में इस दिन किए जाने वाले स्नान को 'महास्नान' की संज्ञा दी गई है।

कर्क और मकर राशियों में सूर्य का संक्रमण

उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य रूप से सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, लेकिन कर्क और मकर राशियों में सूर्य का संक्रमण धार्मिक दृष्टि से विशेष फलदायक माना गया है। यह संक्रमण क्रिया छह-छह माह के अंतराल पर होती है और इसे आध्यात्मिक उन्नति तथा सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूजन एवं अनुष्ठान में ब्रह्मचारी शाश्वतानन्द जी, ब्रह्मचारी भवानन्द जी, प्रकाश द्विवेदी, गौरीशंकर तिवारी, भारत सिंह यादव, डॉ. संजय मिश्रा, सुधांशु गुप्ता, चन्द्रशेखर पटेल, मधु यादव, शशिकांत तिवारी, उषा विजय कटारिया, गोविंद साहू, वसुंधरा पाण्डेय, ऋचा मिश्रा, गीता व्यास, शिवानी चौबे, आराधना चौकसे, प्रीति साहू, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, आशीष चौकसे, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य ,राज गुप्ता, गोविंदा साहू, शिव गुप्ता, लकी शर्मा, सुनील गुप्ता, रोहित तिवारी, मनोज सेन सहित अनेक श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

बसपा ने जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया मायावती का 70वां जन्मदिन

जबलपुर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती का 70वां जन्मदिन बसपा द्वारा सिविक सेंटर में जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में बसपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर बसपा स्टेट जोन को-ऑर्डिनेटर कमलेश बौद्ध ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहन मायावती के शासन मॉडल की नकल आज देश व प्रदेश की सरकारें करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन उनकी नीयत सही न होने से जनता बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई और कमजोर शिक्षा व्यवस्था से त्रस्त है। उन्होंने कहा कि बहन मायावती एकमात्र ऐसी नेता हैं जिन्होंने बिना जाति-धर्म का भेद किए सर्व समाज के कल्याण के लिए कार्य किया, इसी कारण उनका जन्मदिन जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम को एडवोकेट सचिन फूलचंद, बालकिशन चौधरी, उमाकांत बंदेवार, अजाब शास्त्री, ज्ञानेश गजभिये, राकेश चौधरी, मानकलाल गोंटिया, लखन अहिरवार सहित अन्य बसपा नेताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बसपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कंगारू किड्स में प्रीस्कूल मूवी पार्टी का आनंददायक आयोजन

जबलपुर। इकीगाई किड्स इंटरनेशनल स्कूल के कंगारू किड्स प्रीस्कूल परिसर में 15 जनवरी 2026 को लॉन एरिया में प्रीस्कूल मूवी पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने उत्साह और खुशियों के साथ भाग लिया। अपने प्यारे पजामों और आरामदायक कपड़ों में सजे बच्चे मूवी का आनंद लेते हुए खेल-कूद और गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। "ब्रिंग योर बडी" पहल के तहत बच्चों ने मित्रों के साथ यह आनंदमय अनुभव साझा किया और स्वादिष्ट नाश्ते का मजा लिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में सामाजिक कौशल, सहयोग और समूह में सहज महसूस करने की भावना विकसित करना बताया गया। मनोरंजन, खेल और सुरक्षित वातावरण ने इस मूवी पार्टी को बच्चों के लिए यादगार अनुभव बना दिया।

जबलपुर में 47वीं अंतरक्षेत्रीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के तत्वावधान में 16 जनवरी 2026 को 47वीं अंतरक्षेत्रीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 का भव्य शुभारंभ ज्योति क्लब में किया गया। प्रतियोगिता में कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों की 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। मुख्य अतिथि प्रबंध संचालक मंजीत सिंह और विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक एस.के. भागवतकर ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों ने खेल शपथ लेकर निष्पक्ष और ईमानदारीपूर्वक खेल खेलने का संकल्प लिया। मंजीत सिंह ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक मजबूती, अनुशासन और टीम भावना को भी विकसित करते हैं। प्रतियोगिता के प्रथम राउंड में मेजबान जबलपुर क्षेत्र ने इंदौर क्षेत्र को पराजित किया, जबकि भोपाल क्षेत्र ने बिरसिंहपुर क्षेत्र को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमीफाइनल में केंद्रीय कार्यालय, जबलपुर ने जबलपुर क्षेत्र को 2-0 से हराया, और दूसरे सेमीफाइनल में सिंगाजी ताप विद्युत गृह, खंडवा ने भोपाल क्षेत्र को 2-0 से पराजित किया। फाइनल मुकाबला 17 जनवरी 2026 को प्रातः 09:00 बजे केंद्रीय कार्यालय, जबलपुर और सिंगाजी ताप विद्युत गृह, खंडवा के बीच खेला जाएगा।

लोधी महासभा का युवक-युवती परिचय सम्मेलन कल

जबलपुर। लोधी महासभा जबलपुर इकाई द्वारा प्रति वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी 18 जनवरी 2026 को युवक-युवती परिचय सम्मेलन के साथ-साथ वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह का भव्य आयोजन आर्या मैरिज गार्डन, तेवर भेड़ाघाट रोड में किया जाएगा। इस आयोजन में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से लोधी महासभा के समाज बंधुओं का आगमन होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री प्रहलाद पटैल उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र लोधी, बरगी विधायक नीरज ठाकुर, पूर्व मंत्री जालमसिंह पटैल, विधायक बड़ा मलहरा रामसिया भारती, लोधी महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन डेबिड, एस.टी. कमिश्नर लोकेश लिल्लारे शामिल रहेंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं मृत्यु भोज जैसी सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाना है। साथ ही युवक-युवतियों को वैवाहिक मंच प्रदान कर सामाजिक एकता को सशक्त करना भी इस सम्मेलन का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम कार्यकारी अध्यक्ष, पूर्व पार्षद तेवर राजकुमार पटैल के नेतृत्व, अध्यक्ष सेवानिवृत्त इंजीनियर एस.एस. राजपूत एवं एड. एमके सुलाखे के संयोजक में संपन्न होगा। महासभा के अन्य पदाधिकारी छोटेसिंह, एडवोकेट शिवकुमार, भारतभूषण पटैल, राजेन्द्र सिंह, रमेश पटैल, डॉ. के.एस. ठाकुर, ओ.पी. पटैल, जनक पटेल, अतुल पटेल, डॉ. प्रतिभा सिंह ठाकुर, यशवती ठाकुर आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

समरसता सेवा संगठन की बैठक आज

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन के आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार 17 जनवरी 2026 को दोपहर 3 बजे सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार, गुजराती मंडल सिविक सेंटर में आयोजित की जाएगी। संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया कि संगठन आगामी 13 अप्रैल 2026 को अपनी तीन वर्ष की अनवरत सेवा यात्रा पूर्ण कर चौथे वर्ष में प्रवेश करेगा। इस अवसर पर पूज्यपाद जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी द्वारा 5 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक नौ दिवसीय "श्रीराम कथा" के आयोजन हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की गई है।श्री जैन ने बताया कि उक्त श्रीराम कथा संस्कारधानी जबलपुर के गौरव एवं गरिमा के अनुरूप भव्य रूप से संपन्न हो, इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में संगठन के सभी सहयोगियों को सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया है।

विषयासक्त मन बंधन का कारण है, वही विषयातीत मन मुक्ति का आधार है : मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज

आदिनाथ स्वामी निर्वाण महोत्सव आज

जबलपुर।

देवाधिदेव भगवान आदिनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव मुनिसंघ के सानिध्य में शनिवार 17 जनवरी को प्रातः 8 बजे से गोल बाजार में मनाया जाएगा। डी.एन. जैन महाविद्यालय परिसर में विशेष रूप से निर्मित पांडाल में भावनायोग प्रवर्तक मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के प्रवचन "आत्मबोध से आनंद की यात्रा" विषय पर निरंतर जारी हैं। प्रवचन प्रातः 8:40 से 9:30 बजे तक एवं टेलीविजन का लोकप्रिय लाइव कार्यक्रम शंकासमाधान प्रतिदिन दोपहर 2:45 से 3:45 बजे तक संपन्न हो रहा है। मीडिया प्रभारी सुवोध कामरेड एवं प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि प्रवचनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ शहर के गणमान्य नागरिक भी भाग ले रहे हैं। शनिवार के प्रातःकालीन प्रवचन में राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, वरिष्ठ पत्रकार आशीष शुक्ला, श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज के डायरेक्टर राजुल खर्सोल्या एवं गुणायतन के कार्यकारी अध्यक्ष एन.सी. जैन (दिल्ली) विशेष रूप से उपस्थित रहे। सकल जैन समाज द्वारा अतिथियों का तिलक, अंगवस्त्र एवं पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री ने "मन का नियंत्रण तनाव मुक्त जीवन की कुंजी" विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि विषयासक्त मन बंधन का कारण है, जबकि विषयातीत मन मुक्ति का आधार है। उन्होंने कहा कि तनाव का कारण परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि हमारी मनस्थिति है। मन को साधने का अर्थ मन की मानना नहीं, बल्कि मन को मनाना है। मुनि श्री ने कहा कि जिसने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया, वही वास्तव में आनंदित जीवन जीता है। सोच बदलने से समस्या तपस्या बन जाती है और सोच बिगड़ने से तपस्या भी समस्या लगने लगती है। मन को सही दिशा देने से जीवन आनंद से भर उठता है।

नो एंट्री में घुस रहे भारी वाहन, मॉडल लेकर पुलिस कार्यालय पहुंचे मध्य भारत मोर्चा सदस्य

जबलपुर। मध्य भारत मोर्चा के सदस्य अध्यक्ष सौरभ यादव के नेतृत्व में ट्रक, डम्पर जैसे भारी वाहन के मॉडल लेकर सांकेतिक तौर पर एसपी कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन देते हुए बताया कि शहर में भारी वाहनों के आवागमन पर रात्रि 09 बजे तक की नो एंट्री है, इसके बावजूद देखने में आ रहा है कि सुबह, दोपहर, शाम को भी भारी वाहन शहर में दौड़ रहे हैं, जिससे यातायात तो अवरुद्ध हो ही रहा है, साथ ही शहर के वृद्ध, बच्चे और आमजन में दुर्घटना का अंदेशा बना है, जिसके विरोध में मध्य भारत मोर्चा सदस्यों ने नो एंट्री में प्रवेश पर कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अध्यक्ष सौरभ यादव, दिलीप विश्वकर्मा, बल्लू पटेल, राम चौरसिया, डीके राजाबाबा, कुलदीप सोनी, दिलीप चक्रवर्ती, रोशन, शैंकी जैन, लक्की सोनी, सुमित बाबा, जानू शर्मा, ऋतिक चौधरी, सक्षम, लक्की वंशकार, पुष्पराज सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

तमिल संघम का पोंगल महोत्सव 18 को

जबलपुर। तमिल संघम जबलपुर द्वारा पोंगल महोत्सव का आयोजन 18 जनवरी को मध्यान्ह 12 बजे से नेताजी सुभाषचंद्र बोस न्यू ऑडिटोरियम हॉल घंटाघर के पास किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री होंगे, अध्यक्षता अशोक रोहाणी विधायक केंट करेंगे, विशिष्ट अतिथि जगत बहादुर सिंह अन्नू महापौर, रिंकू विज अध्यक्ष नगर निगम, चमन श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा होंगे। आयोजन में जबलपुर से सभी तमिल परिवार शामिल होंगे। इस अवसर पर तमिल संघम के द्वारा बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा एवं आंखों की जांच की जाएगी। पोंगल महोत्सव में उपस्थिति का अनुरोध संयोजक उमेश पिल्ले, मुख्य संरक्षक राजेश पिल्ले कन्ना, राकेश स्वामी, विक्की स्वामी, ज्योति रेड्डी अध्यक्ष, सुभाष पिल्ले सचिव, मीडिया प्रभारी शेखर पिल्ले, ने किया है।

ग्राम बमनी-बरेला में गो-पशुपालकों को दिया गया प्रशिक्षण व आदान सामग्री

जबलपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–केंद्रीय गो अनुसंधान केंद्र, मेरठ द्वारा वित्तपोषित अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम बमनी बरेला में गो-पशुपालकों के लिए प्रशिक्षण सह आदान सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. मनदीप शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. सुनील नायक (संचालक विस्तार सेवाएं), डॉ. आर.के. शर्मा (अधिष्ठाता) एवं डॉ. संजीव वर्मा (प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर–केंद्रीय गो अनुसंधान केंद्र, मेरठ) ने गो-पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन, संतुलित आहार, रोग नियंत्रण, टीकाकरण एवं स्वच्छ प्रबंधन पर जानकारी दी।

पात्र लाभार्थियों को खनिज लवण, काऊ मैट एवं दूध की कैन का वितरण किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अंकुर खरे, डॉ. आनंद जैन, डॉ. प्रमोद शर्मा, डॉ. निर्मला मुवेल एवं डॉ. भावना अहरवाल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. विष्णु कुमार गुप्ता, पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी, बरेला द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें पशुओं की जांच व उपचार किया गया। ग्राम सरपंच श्रीमती वर्षा नीलकमल झरिया भी उपस्थित रहीं। आयोजकों के अनुसार इस प्रकार के कार्यक्रमों से ग्रामीण क्षेत्रों में गो-पशुपालन को वैज्ञानिक दिशा मिलेगी तथा किसानों की आय एवं पशु-स्वास्थ्य में सुधार होगा।

जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा के प्रथम दिवस 1616 विद्यार्थियों ने दी सहभागिता

जबलपुर।

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों पर शासकीय विद्यालयों के कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा का आयोजन 16 एवं 17 जनवरी 2026 को किया जा रहा है। परीक्षा के प्रथम दिवस 16 जनवरी को 1616 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ओलंपियाड परीक्षा कक्षा 2–3, 4–5 एवं 6–8 स्तर के विद्यार्थियों के लिए ओएमआर शीट पर आधारित है, जिससे विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिल रहा है। परीक्षा उपरांत विद्यार्थियों को भोजन कराया गया तथा राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। शुक्रवार को प्रथम दिवस कक्षा 2 एवं 3 के हिंदी, अंग्रेजी व गणित तथा कक्षा 6 से 8 के हिंदी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषयों की परीक्षा संपन्न हुई। 17 जनवरी को कक्षा 4–5 के हिंदी, अंग्रेजी, गणित व पर्यावरण तथा कक्षा 6–8 के गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर डीपीसी योगेश शर्मा द्वारा नगर शिक्षा केंद्र-1 अंतर्गत शासकीय एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नगर शिक्षा केंद्र-2 अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यौहारबाग एवं पाटन विकासखंड के पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पाटन परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एपीसी राजेश तिवारी, बीएसी अजय रजक, सहायक यंत्री ओ.पी. सिंह, सुभाष शर्मा सहित संबंधित बीआरसी टीम उपस्थित रही।

ग्वारीघाट में गरीब बच्चों के साथ मनाया मकर संक्रांति पर्व

डॉ. अजय वाधवानी व अपराध नियंत्रण संगठन ने बच्चों को बांटा पतंग व धागा

जबलपुर। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर ग्वारीघाट में गरीब व जरूरतमंद बच्चों के साथ मकर संक्रांति पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के पदाधिकारी डॉ. अजय वाधवानी ने बच्चों को पतंग और धागा वितरित किया तथा उनके साथ पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति का आनंद साझा किया। डॉ. अजय वाधवानी ने कहा कि त्योहार तभी सार्थक होते हैं जब उनकी खुशियाँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखकर उन्हें आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई। उन्होंने आगे कहा कि समाज के सक्षम वर्ग को जरूरतमंद बच्चों के साथ आगे आकर ऐसे आयोजनों में सहभागिता करनी चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों एवं संगठन के सदस्यों की भी उपस्थिति रही। सभी ने इस सामाजिक पहल की सराहना की और इसे निरंतर जारी रखने की अपील की।